भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 51 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
24 अगस्त 2025 रविवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

## राहुल की यात्रा जीप से बुलेट पर, समर्थक को थप्पड़

**पूर्णिया, एजेंसी**

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा में आज राहुल गांधी ने जीप की सवारी छोड़ बुलेट पर हाथ आजमाया। उनकी यात्रा आज सुबह पूर्णिया से शुरू हुई तो राहुल बुलेट चलाते नजर आए। उनके पीछे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम बैठे दिखे। उनके पीछे तेजस्वी यादव दूसरी बुलेट पर नजर आए। उनके पीछे बॉडीगार्ड था। आज यात्रा में मुकेश सहनी, दीपांकर भट्टाचार्य के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद हैं। आज बुलेट यात्रा के दौरान राहुल का समर्थक अचानक से सामने आ गया। राहुल कुछ समझ पाते इससे पहले उसने राहुल को किस कर लिया। तब तक सिक्योरिटी गार्ड पहुंच गए और उन्होंने युवक को थप्पड़ जड़ दिया।

यात्रा के इस चरण का आज अंतिम दिन है, शाम को राहुल गांधी दिल्ली जाएंगे फिर सोमवार के ब्रेक के बाद 26 से यात्रा फिर शुरू होगी और इसमें प्रियंका गांधी भी शामिल होंगी। इससे पहले देर शाम राहुल कटिहार से पूर्णिया पहुंचे और पूर्वी प्रखंड के गौरा पंचायत में रात गुजारी,उनके साथ पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव भी मौजूद हैं।

### अब ठाकरे बोले- उम्मीदवार तक नहीं पहुंचते वोट

**मुंबई, एजेंसी।** अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने राहुल गांधी के वोट चोरी वाले आरोपों का समर्थन कर दिया है। पुणे में पार्टी की बैठक में ठाकरे ने कहा कि वोटिंग में गड़बड़ी का मुद्दा नया नहीं है। खुद उन्होंने भी आठ साल शरद पवार, सोनिया गांधी और ममता बनर्जी से यह बात की थी। ठाकरे बोले- मैंने तब कहा था कि लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करो। इससे अंतरराष्ट्रीय दबाव तक बनता।

स्टार्टअप एवं उद्यमी महाकुंभ में मुख्यमंत्री ने उद्योगों के लिए पेश किया सरकार का विजन

## उद्योगों की समस्या दूर करने नया बिल, लाडली बहनों को पांच हजार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज लाडली बहना योजना में बदलाव को लेकर फिर एक अहम संकेत दिया है। उन्होंने कहा है कि अब तक लाडली बहना योजना के दायरे में शामिल महिला यदि उद्योगों में काम करेगी तो उन्हें डेढ़ हजार रूपए ही नहीं, बल्कि सरकार पांच हजार रूपए तक दिलाएगी और आठ नौ हजार रूपये उद्योग प्रबंधन बतौर मेहनताना भी देगा, इससे वह बारह तेरह हजार रूपये प्रतिमाह कमा सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे उद्योगों को भी श्रमशक्ति मिल सकेगी और रोजगार के मौके व हुनर भी बढ़ेगा। वहीं उद्योगपतियों की समस्याओं व मांगों आदि पर भी यादव ने कहा कि इसके लिये बेहतर नियम बनाए जाएंगे, ताकि उद्योगों को जरूरी अनुमतियां आदि सरलता से मिले। सीएम ने कहा कि सरकार जल्द ही इस संबंध में एक बिल लाने वाली है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्र के उद्योगों के लिए सरकार द्वारा प्रोत्साहन की बात कही, लेकिन स्थानीय रोजगार पर उद्योगों को विशेष जोर देने के लिए कहा। इसके अलावा उद्योगपति यदि बिजली का प्लांट भी अपने परिसर में लगाए तो सरकार हरसंभव मदद देगी।

आज यहां एमएसएमई कन्वेंशन सेंटर गोविंदपुरा में आयोजित स्टार्टअप एवं उद्यमी महाकुंभ में मुख्यमंत्री ने यह ऐलान किया। इस मौके पर लघु उद्योग भारती के प्रदेश कार्यालय भवन का लोकार्पण भी किया।

जानकार सूत्र बताते हैं कि मप्र सरकार काफी समय से लाडली महिला योजना के संबंध में नया खाका तैयार करने की कवायद में है। इसके लिये यह भी तय किया गया है कि इस योजना के अंतर्गत आने वाली महिला को स्थानीय उद्योग यदि रोजगार देंगे तो सरकार प्रति महिला पांच हजार रूपये इंटेसिव उद्योग को देगी। समझा जात है कि सरकार यह लाभ सीधे हितग्राही को देने के रास्ते पर भी बढ़ सकती है।

उल्लेखनीय है मुख्यमंत्री ने कल कटनी में माइनिंग क्षेत्र में सक्रिय ख्यात उद्योगपतियों से भी मुलाकात की थी और कॉन्क्लेव में ऐलान किया था कि सरकार खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है तथा अब प्रदेश में जिला स्तर पर भी इंडस्ट्री और सेक्टर आधारित कॉन्क्लेव आयोजित किए जाएंगे, ताकि स्थानीय स्तर पर खनिज की संभावनाओं का बेहतर दोहन हो सके।

इधर राजधानी में स्टार्टअप उद्यमी महाकुंभ सम्मेलन में कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंसाना ने भी कहा कि लघु उद्योग के विकास से ग्रामोद्योग और कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, जिससे लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा। इससे शहरी क्षेत्रों में छोटे उद्योग मजबूत होंगे और प्रदेश में हर हाथ को काम मिलेगा।

### जन्माष्टमी पर 14 हजार बंदियों को मिलेगी रिहाई

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

भगवान श्रीकृष्ण के नाम से साथ माखनचोर का टैग हटवाने के लिए प्रयासरत मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जेलों में बंद 14 हजार बंदियों को जन्माष्टमी पर सजा में 60 दिन की छूट देने का फैसला किया है। इसको लेकर मुख्यमंत्री ने जेल विभाग को निर्देश जारी कर दिए हैं और जल्दी ही अलग-अलग जेलों में सजा काट रहे कैदियों को सजा में छूट के आधार पर रिहा करने की कार्यवाही की जाएगी। इस संबंध में एक ट्वीट में सीएम यादव ने लिखा है कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर इस वर्ष भी प्रदेश की जेलों के दंडित बंदियों को सजा में करीब 60 दिन की छूट देने के लिए जेल विभाग को निर्देश दिए हैं। आतंकवादी गतिविधि, लैंगिक अपराध, हत्या के गंभीर आरोपी इसमें शामिल नहीं हैं। इससे 21 हजार बंदियों में से लगभग 14 हजार लाभान्वित होंगे।

## कुछ महीनों में पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप मार्केट में

### मोदी ने कहा-क्वांटम जंप का लक्ष्य

**नईदिल्ली, एजेंसी**

सेमीकंडक्टर को लेकर अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा अपडेट दिया है। इस साल के अंत तक भारत में पहला मेड इन इंडिया चिप मार्केट में आ जाएगा। मोदी ने बताया कि भारत छोटे-मोटे बदलावों के बजाय ÷क्वांटम जंप÷ के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। दरअसल दिल्ली में ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले सालों में भारत का योगदान 20 प्रतिशत तक हो सकता है। भारत की आर्थिक स्थिरता को विकास की नींव करार देते हुए पीएम ने कहा कि पिछले दस साल में देश ने आर्थिक रूप से मजबूती दिखाई है। अब सेमीकंडक्टर से जुड़ी फैक्ट्रियां भारत में आनी शुरू हो गई हैं। इस साल के अंत तक, पहला मेड इन इंडिया चिप बाजार में आ जाएगा। हम मेड इन इंडिया 6 फीसदी पर तेजी से काम कर रहे हैं। खास यह है कि कोविड महामारी के बावजूद, भारत ने अपनी आर्थिक बुनियाद को मजबूत रखा है। मोदी ने कहा कि राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत तक नीचे आने का अनुमान है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार वापसी की है। अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में देश की तेजी से प्रगति का उल्लेख करते हुए पीएम ने कहा कि भारत ने पिछले 11 सालों में 60 से ज्यादा अंतरिक्ष मिशन पूरे किए हैं। इस साल स्पेस डॉकिंग की क्षमता हासिल की है। अब गगनयान मिशन की तैयारी चल रही है।

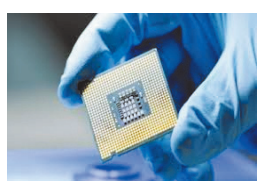

## टेस्ट स्पेशलिस्ट पुजारा ने क्रिकेट को कहा-अलविदा

**नईदिल्ली, एजेंसी**

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा ने आज क्रिकेट के हर फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया। उन्होंने संन्यास की जानकारी इंस्टाग्राम पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखकर दी। चेतेश्वर ने टीम इंडिया के लिए 100 से ज्यादा टेस्ट में कई यादगार पारियां खेलीं। वह टेस्ट स्पेशलिस्ट माने जाते थे। पुजारा टॉप-ऑर्डर में नंबर 3 पर खेलते थे और वे सात हजार से ज्यादा रन बना चुके थे। जिसमें 19 शतक थे। पुजारा ने पोस्ट में लिखा- भारतीय जर्सी पहनना, राष्ट्रगान गाना और हर बार जब मैं मैदान पर कदम रखता था, तब अपना सर्वश्रेष्ठ देना, इसे शब्दों में बयां करना नामुमकिन है कि इसका असली मतलब क्या था। लेकिन हर अच्छी चीज का अंत होता है।

## 70 हजार करोड़ की सबमरीन जर्मनी से खरीदेगा भारत

**नईदिल्ली, एजेंसी**

भारत सरकार वायुसेना और नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए दो बड़ी डील करने के लिए तैयार हो गई है। पहली डील के तहत रक्षा मंत्रालय और मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड 6 सबमरीन जर्मनी से खरीदेगी। सरकार ने 'प्रोजेक्ट 75 इंडिया' के तहत भारत में बनने वाली इन पनडुब्बियों की खरीद को लेकर बातचीत को मंजूरी दी है। यह डील 70 हजार करोड़ में हो सकती है। इसके अलावा इजराइली रैम्पेज एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलों की बड़ी खेप भी खरीदी जाएगी। खबरों के अनुसार, यह ऑर्डर जल्द ही फास्ट-ट्रैक प्रक्रिया के तहत दिया जाएगा। रैम्पेज मिसाइलों का इस्तेमाल पाकिस्तान के मुरीदके और बहावलपुर स्थित आतंकवादियों मुख्यालयों पर सटीक हमलों में किया था।

मप्र औसत आंकड़े से ढाई इंच दूर,18 जिले तरबतर

## राजस्थान में बाढ़ के हालात, सेना का हेलीकॉप्टर तैनात, उप्र में बांध छलके

**नईदिल्ली/भोपाल, एजेंसी**

भादौ के महीने में मानसून खासा सक्रिय है। राजस्थान में तेज बारिश से कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़ जैसी स्थिति है। आलम यह है कि राहत-बचाव के लिए सेना बुलाई गई है। एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर भी तैनात किया गया है। उप्र में बारिश से डैम, नदियां और नाले उफान पर हैं। अब तक 8 बांधों के गेट खोले जा चुके हैं। मिर्जापुर में अहरौरा बांध ओवरफ्लो हो गया है।

इधर मप्र में मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से तेज बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे के दौरान भी 32 से ज्यादा जिले बारिश से तरबतर रहे। सबसे ज्यादा सीधी में 6.7 इंच पानी गिरा। मौसम विभाग का कहना है कि मप्र में अब तक औसत 34.2 इंच बारिश हो चुकी है। 2.8 इंच पानी और गिरते ही सीजन की बारिश का कोटा फुल हो जाएगा। आज नीमच, मंदसौर, ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी, झाबुआ, अनूपपुर,सिंगरौली समेत 18 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल में भी बारिश बौछारों का दौर रहेगा।

मेट्रो एंकर

माइक्रोसॉफ्ट की नई हसरतों के सामने नई चुनौती

## सॉफ्टवेयर फैक्ट्री को चलाएंगे एआई, मस्क की मैक्रोहार्ड मसल देगी रोजगार के ढेरों अवसर!

**नईदिल्ली, एजेंसी**

एलन मस्क जब भी कोई घोषणा करते हैं, उस पर पूरी दुनिया की नजरें होती हैं और उस पर चर्चा भी छिड़ जाती है। टेस्ला, स्पेसएक्स,स्टारलिंक और एक्स जैसी कंपनियां चलाने वाले मस्क अब मैक्रोहार्ड नाम से एक नई कंपनी बनाना चाहते हैं। मस्क की मंशा सफल हो गई तो सबसे बड़ी चुनौती सॉफ्टवेयर दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट को मिलेगी। क्योंकि मस्क का नया प्रयोग एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया होगा। उनकी नई कंपनी इंसानों को काम से हटाकर उसकी जगह मशीन को लाने की सोच रखती है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मैक्रोहार्ड एक सॉफ्टवेयर कंपनी होगी, जो पूरी तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर बेस?ड होगी। यह मस्क की मौजूदा कंपनी एक्सएआई के साथ मिलकर काम करेगी। एक्सएआई ने ही ग्रोक एआई डेवलप किया है, जो चैटजीपीटी और परप्लेक्सिटी की तरह एक एआई चैटबॉट है। मैक्रोहार्ड के जरिए मस्क की योजना सैकड़ों खास कोडिंग और इमेज व वीडियो बनाने वाले एआई एजेंट लॉन्च करने की है। जो इंसानों की तरह काम करेंगे यानि सॉफ्टवेयर बनाने वाली पूरी फैक्ट्री होगी एआई से ऑपरेट होगी और इंसानों की तरह काम करने में सक्षम होगी। मस्क ने पिछले साल ही कहा था कि वो एआई से चलने वाले वीडियो गेम बनाएंगे।

### एआई कंपनी के तौर पर आगे बढ़ाने की मंशा

उधर माइक्रोसॉफ्ट भी सॉफ्टवेयर कंपनी है और इसके सीईओ सत्यनडेला बीते दिनों अपने कर्मचारियों से कह चुके हैं कि वह माइक्रोसॉफ्ट को एक एआई कंपनी के तौर पर आगे बढ़ाना चाहते हैं। जाहिर तौर पर माइक्रोसॉफ्ट को मस्क की कंपनी से चुनौती मिलेगी। इंसानों की जगह मशीन को काम पर रखने का चलन बढ़ेगा जो नौकरियों पर भी खतरा पैदा कर सकता है। मैक्रोहार्ड का रजिस्ट्रेशन कराया जा चुका है। इसे चलाने के लिये उन्हीं सुपर कंप्यूटरों को इस्तेमाल किया जाएगा जो एक्सएआई यूज करती है। मस्क मैक्रोहार्ड के जरिए एक्सएआई को बड़ी कंपनियों मसलन मेटा के बराबर लाना चाहते हैं।

### आज का कार्टून

### मछली परिवार पर अभी और कसेगा शिकंजा, पशुपालन विभाग को 99 एकड़ जमीन की चिंता सताई

# जिला प्रशासन खंगाल रहा जमीनों का रिकॉर्ड, कब्जाधारियों की मौजूदगी में होगा सीमांकन

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

राजधानी के चर्चित ड्रग्स तस्करी और दुष्कर्म मामले में पुलिस व प्रशासन %चौतरफा% कार्रवाई की कोशिशों में हैं। प्रशासन को आशंका है कि जिस कोठी और कुछ अन्य कब्जों को धराशायी किया गया है, उसके अलावा भी इस परिवार का कई अन्य जगहों पर कब्जा है, लिहाजा प्रशासन की टीमें लगातार पूछताछ व अन्य सर्च के जरिए इसका सुराग लगाने में जुटी हैं। जमानीों का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है और 20 लोगों को नोटिस जारी किए हैं। इस मामले में गिरफ्तार शाहवर मछली और उसके भतीजे यासीन के परिवार की कोकटा क्षेत्र की अवैध कोठी को हाल में गिराया गया है। उधर पशुपालन विभाग ने भी कोकता बायपास स्थित 99 एकड़ जमीन का सीमांकन कराने के लिए आवेदन दे दिया है। विभाग का दावा है कि इस जमीन पर मछली परिवार सहित 20 लोगों का कब्जा है।

जानकारी के मुताबिक कल सोमवार

दोपहर से पशुपालन विभाग की जमीन का सीमांकन शुरू होगा। कोकता बायपास पर मछली परिवार के नाम पर 26 एकड़ जमीन दर्ज है। इसमें 12 एकड़ पर कोर्टयार्ड प्राइम नामक कॉलोनी में 250 प्लॉट काटे गए, जबकि 14 एकड़ देवेंद्र लोधी (लोधी बिल्डर्स) को बेचकर कोर्टयार्ड कस्तूरी कॉलोनी बनाई गई है। दोनों कॉलोनियां टीएंडसीपी से अप्रूव हैं। बताया जाता है कि प्रशासन ने अनंतपुरा में गुरुवार को मछली परिवार की जिस वीआईपी कोठी को तो?ा है, उसके आसपास के करीब साठ घरों का भी सर्वे करने का फैसला हुआ है। यहां पर जमीनों के सौदे दान पत्र के जरिए किए गए थे इसलिये आशंका है कि आने वाले दिनों में यहां सरकारी जमीन पर कब्जे मिलें।

दरअसल सूत्रों की मानें तो मछली परिवार ने कोर्टयार्ड प्रीमियम कॉलोनी विकसित की है। यहां उनकी लगभग 26 एकड़ जमीन है। यही कॉलोनी पशुपालन विभाग की 99 एकड़ जमीन से लगी हुई है। विभाग का कहना है कि उन्हें अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी जमीन की वास्तविक सीमा कहां तक है। इसी इलाके से लगी हुई नगर निगम की जमीन पर पहले ही सरकारी आवास परियोजना स्वीकृत हो चुकी है। गौरतलब है कि कोकता अनंतरपुरा की करीब पचास एकड जमीन पर कब्जा करके मछली परिवार से फार्म हाउस, कोठी, गोदाम आदि बना रखे थे जिन्हें ध्वस्त किया जा चुका है।

## मेट्रो का कमर्शियल रन अक्टूबर में करने की तैयारी तेज, सीएमआरएस सर्वे होगा

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

भोपाल मेट्रो का कमर्शियल रन इस साल अक्टूबर में करने की तैयारी तेजी से चल रही है। रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) से 10 अगस्त को प्रायोरिटी कॉरिडोर (सुभाष नगर से एस तक) को मंजूरी मिल चुकी है। अब सबसे अहम चरण कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेटी (सीएमआरएस) का निरीक्षण है। यह दो चरणों में होगा और इसकी मंजूरी के बाद ही यात्रियों के लिए मेट्रो संचालन की अनुमति मिलेगी। सीएमआरएस पहले डिपो का निरीक्षण करेगा, जहां कंट्रोल रूम, ट्रेन के मेंटेनेंस, वॉशिंग और स्टेशन तक बने रैंप की जांच होगी। इसके बाद पूरे कॉरिडोर और सभी स्टेशनों का मुआयना होगा। टीम का फोकस यात्रियों की सुरक्षा और स्टेशन पर मिलने वाली सुविधाओं पर रहेगा। इंदौर की बात करें तो इंदौर में पहले जनवरी और उसके बाद मार्च में निरीक्षण हुआ था। यानी दो अलग-अलग निरीक्षण के बीच दो महीने का अंतर था। लेकिन मेट्रो कॉर्पोरेशन की कोशिश है कि भोपाल में 15 सितंबर से पहले ही दोनों चरण के निरीक्षण हो जाएं।

## आयकर अधिकारी संघ के चुनाव में रामटेके व खंडेलवाल को कमान

**भोपाल, दोहपर मेट्रो।** आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ के चुनाव में 'आपका अपना पैनल' कब्जा कायम रखने मे सफल हो गया है। संघ के केंद्रीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष संजय कुमार रामटेके तथा क्षेत्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष गोविन्द खंडेलवाल निर्वाचित हुए हैं। महासचिव पद पर डॉ दीपक कुमार और क्षेत्रीय सचिव के पद पर राघवेंद्र पटेल को चुना गया है। कालिकाप्रसाद को वित्त सचिव बनाया गया है। इस चुनाव के लिए आयकर अफसरों की टीम इंदौर में हुए चुनाव और संवाद में शामिल होने पहुंची थी। इस चुनाव में आपका अपना पैनल व सेवा संकल्प पैनल के बैनर तले चुनाव ल रहे अफसरों के लिए वोट कर कार्यकारिणी चुनी है। आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के 48वें बीजीएम के लिए यह चुनावी मुकाबला हुआ है। बताया जाता है कि इस संघ में तीन यूनिट काम करती है जिसके चुनाव कराए गए हैं। इसमें पहली यूनिट सेंट्रल यूनिट होती है जो दोनों ही राज्यों के लिए काम करती है। इसके बाद क्षेत्रीय यूनिट होती है जिसमें एमपी-सीजी के तीन क्षेत्र भोपाल, इंदौर और रायपुर शामिल हैं। तीसरी यूनिट प्रभार (चार्ज) के नाम पर होती है जिसमें अकाउंट आफिसर (एओ) और प्राइवेट सेक्रेटरी (पीएस) स्तर के अधिकारी शामिल होते हैं।

## मिट्टी के गणेश निर्माण की कार्यशाला

**भोपाल।** पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंधु सेना एवं पूज्य सिंधी पंचायत नानक टेकरी द्वारा मिट्टी के गणेश निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन ईदगाह हिल्स स्थित सिंधी कम्युनिटी हॉल किया गया। मंडल द्वारा प्रशिक्षण में सम्मिलित होने आए मातृ शक्ति को निशुल्क सामग्री उपलब्ध कराई गई 100 से अधिक बहनो ने मिट्टी के गणेश बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर एक ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का संदेश देते हुए टैंक पर विराजित गजानन महाराज की प्रतिमा तैयार की गई। अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने बताया आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण की महत्वता बताने के ग्रीन गणेश निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

## दिनभर रिमझिम बारिश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में दिनभर रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विभाग का कहना है कि आगे भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है।

## शीश महल की दीवारों पर पेड़, बारिश की वजह से बिगड़े हालात, नहीं किया जा रहा मेंटेन

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

मोती मस्जिद चौराहे से भवानी चौक सोमवारा तक फैले शीश महल में बारिश का पानी बैठने से झाड़ पेड़ तो सामने से ही दिखाई दे जाते हैं। कुछ साल पहले इसका एक हिस्सा गिरने से पीडब्ल्यूडी के संभाग एक का दतर भी ढह गया था। पूर्व पार्षद मोहमद सऊद का कहना है कि मोती महल, सदर मंजिल और गौहर महल की तरह शीश महल को मेंटेन नहीं किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बड़ी संया में दुकानें इसके नीचे लगती है। यहां आने वाले वाले लोगों की संया भी अच्छी-ासी प्रतिदिन ही होती है। यदि कोई हिस्सा गिरा तो जनहानि होगी। मोती मस्जिद चौराहा. सदर मंजिल, शौकत महल, मोती महल,गौहर महल से लगा शीशमहल इस सब महलों में सबसे बदहाल हालात में हैं, जबकि इसमें लोग रहते भी है और नागरिक बैंक का दतर भी लगता है।

## केसवानी की स्मृति में किया शिक्षण सामग्री का वितरण

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

समाजसेवा की मिसाल माने जाने वाले दादा निर्मल केसवानी की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि पर मानवता और शिक्षा का संदेश दिया गया। संस्था निर्माण परिवर्तन की ओर से आंगनबाड़ी केंद्रों के नन्हे-मुन्नों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। यह कार्यक्रम न सिर्फ बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाया बल्कि समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक पहल भी साबित हुआ। कार्यक्रम में जब छोटे-छोटे बच्चों को किताबें, कॉपियां और पेंसिल दी गईं तो उनके चेहरे खिल उठे। आयोजनकर्ताओं का कहना था कि शिक्षा ही समाज की असली पूंजी है और दादा केसवानी हमेशा बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता देते थे। इसी सोच को आगे बढ़ाने के लिए हर वर्ष उनकी पुण्यतिथि पर इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। आज दादा केसवानी की स्मृति में शांति पाठ और हवन का आयोजन किया गया। आज शाम 6 बजे शीतल दास की बगिया में संस्था झूलेलाल की फौज द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में समाजसेवी, नागरिक और उनके अनुयायी शामिल होंगे।

## चालीहा महोत्सव का आज होगा समापन

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

भगवान झूलेलाल का चालीहा महोत्सव संतनगर में बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। 16 जुलाई से शुरू हुए इस महोत्सव का समापन आज रविवार को होगा। जिसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। जैसे-जैसे समापन का दिन करीब आ रहा है, वैसे-वैसे विभिन्न मंदिरों की रौनक और बढ़ती जा रही है। एच वार्ड के प्राचीन झूलेलाल मंदिर में हर दिन त्नबहराणा साहबत्न की ज्योत जलाई जा रही है और पूजा-अर्चना हो रही है। न्यू बी-10 स्थित मंदिर में छप्पन भोग, महाआरती और भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसी तरह, मुय मार्ग स्थित झूलेलाल मंदिर में भी सुबह से लेकर रात तक धार्मिक कार्यक्रम हो रहे हैं, जिसमें बड़ी संया में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

## सतगुरु बाबा गोविंददास का वर्सी महोत्सव मनाया गया

**हिरदाराम नगर। दोहपर मेट्रो**

सुखसागर उदासीन आश्रम, संतनगर में इस वर्ष भी धूमधाम से सतगुरु स्वामी बाबा गोविंददास उदासीन का वर्सी महोत्सव, तीजड़ी पर्व और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव मनाया गया। यह सात दिवसीय महोत्सव आश्रम के गद्दीनशीन महंत स्वामी बाबा रामदास उदासीन के सान्निध्य में आयोजित हुआ। महोत्सव के दौरान भजन-कीर्तन विशेष कार्यक्रम हुआ। महंत स्वामी बाबा रामदास उदासीन ने अपनी अमृत वाणी से गुरु ग्रंथ साहिब, श्रीमद्भागवत कथा और गीता के उपदेशों को धर्मप्रेमियों के सामने प्रस्तुत किया।

**मेट्रो एंकर**

### शहर के करोंद चौराहे पर मटकी फोड़ महोत्सव में का आयोजन

## सुनील शेट्टी ने बोला डायलॉग, सीएम ने भजन गाए

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

बीती रात राजधानी के करोंद चौराहे पर मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें अभिनेता सुनील शेट्टी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा भोपाल वालों मैं तुम्हें भूल जाऊं.. यह हो नहीं सकता.. और तुम मुझे भुला दो.. ये मैं होने नहीं दूंगा।... भोपाल में मंच से एक्टर सुनील शेट्टी ने जब ये डायलॉग बोला तो पूरा माहौल तालियों से गूंज उठा।

फिल्म अभिनेता सुनील शेट्टी उन्होंने कहा- एमपी तो मेरा आना होता ही है। मैं यहां हर साल फॉरेस्ट देखने आता रहा हूं। सीएम साहब को मुबारकबाद देना चाहता हूं, इतना प्यारा स्टेट, जो देश के दिल में बसा है। इसके अलावा मैं महाकाल के दर्शन के लिए भी आता हूं। सुनील



शेट्टी ने अपना लोकप्रिय डायलॉग अन्ना 24 घंटे चौकन्ना और यह धरती मेरी मां है भी बोला। साथ ही भारत माता की जय के नारे भी लगवाए। इस कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने इंडियन आइडल फेम गायक सवाई भट्ट के साथ गोविंदा आला रे..., छोटी-छोटी गैया, छोटे-छोटे ग्वाल, छोटो सो मेरो मदन गोपाल.. भजन गाए। कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिन पर लोग झूम उठे।

आखिर में मटकी फोड़ी गई। कई टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति के अध्यक्ष और भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में हर साल प्रदेशभर से कई जिलों की टीमें भाग लेती हैं। बड़ी संख्या में युवाओं की टोली मटकी फोड़ने के लिए जुटती हैं। इस बार भी दर्जनों टीमें प्रतियोगिता में शामिल हुई हैं। बड़ी संख्या में दर्शक करोंद चौराहे पर पहुंचे हैं।

## माइनिंग कॉन्क्लेव में 56 हजार 414 करोड़ के एमओयू

# सीएम बोले- तकनीकी कौशल के लिए नए इंस्टीट्यूट खोलेंगे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0 कटनी में आयोजित की गई। इसमें देशभर के करीब 1500 निवेशकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कॉन्क्लेव में 56 हजार 414 करोड़ के निवेश के लिए उद्योगपतियों ने एमओयू साइन किए हैं। इसमें सबसे ज्यादा 3 हजार 950 करोड़ के प्रस्ताव सायना ग्रुप के हैं। सीएम ने कहा कि हमारा देश व्यापार के चक्कर में ही गुलाम हुआ था। राजनीति में भी व्यापार ही तो हो रहा है। प्रदेश में कुछ समय बाद एयर कार्गो भी बनने वाला है। कटनी से जबलपुर, सिंगरौली तक सोने की संभावनाएं देखी जा रही हैं। अभी इसके लिए दक्षिण अफ्रीका की तरफ देखते हैं। तिरुपति और शिरडी सांई बाबा के जैसे बड़े ट्रस्ट को बुलाकर धार्मिक मेलों का प्रबंधन सीखेंगे। मध्यप्रदेश के साथ जुड़कर आप बड़ा सपना देखिए, हम आपका साथ देंगे। पिछले एक साल में हमने 10 मेडिकल कॉलेज खोले हैं। पहले, 29 प्रकार की परमिशन लगती थीं। अब सिर्फ 10 प्रकार की परमिशन लीजिए और इंडस्ट्री खड़ी कीजिए।

### यादव ने विषय-विशेषज्ञों और निवेशकों के साथ वन टू वन चर्चा

सीएम ने कहा कि सीमेंट, कोयला, आयरन बहुत संभावनाएं हैं। तकनीकी कौशल के लिए नए इंस्टीट्यूट खोलने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पीपीपी मोड के तहत मेडिकल कॉलेज चलाने के इच्छुक और सक्षम लोग हैं। उन्हें हम अपने अस्पताल मुहैया करा सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विषय-विशेषज्ञों और निवेशकों के साथ वन टू वन चर्चा की। कॉन्क्लेव में देशभर से कोल इंडिया लिमिटेड, अडाणी ग्रुप, एचसीएल समेत माइनिंग क्षेत्र के 1500 से ज्यादा निवेशक, नीति निर्माता शामिल रहे। कटनी जिले से ही 300 से ज्यादा उद्योगपति शामिल थे।

### कुल 56 हजार 414 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

- सिंघल बिजनेस प्रा. लि. ने कोल गैसीफिकेशन एवं नवकरण ऊर्जा के क्षेत्र में 15000 करोड़ का प्रस्ताव।
- विनमीर रिसोर्सेस प्रा. लि. ने ग्रेफाइट वेनिफिसियेशन उद्योग के क्षेत्र में 850 करोड़ का प्रस्ताव।
- रमनीक पावर एन्ड एलाइंस ने स्पोज और सआयरन प्लांट एवं फेरो अलॉय यूनिट्स के क्षेत्र में 450 करोड़ का का प्रस्ताव।
- माईनवेयर एडवाइजर्स प्रा. लि. ने आवंटित कोयला ब्लॉक में खनिज का उत्पादन के क्षेत्र में ?450 करोड़ का प्रस्ताव।
- महाकौशल रिफ्रेक्ट्रीज ने रिफ्रेक्ट्री उद्योग हेतु अगले 05 वर्ष के लिए ?90 करोड़ रुपये का प्रस्ताव।
- सायना ग्रुप ने लौह अयस्क बेनिफिशियेशन पैलेट प्लांट,लौह पर आधारित विभिन्न उद्योगों में उपयोगी उत्पाद के लिए ? 3000 करोड़ एवं बॉक्साइट कैल्सिनेशन प्लांट के लिए ? 950 करोड़ रुपये का प्रस्ताव।

नीलाम किये गए मुख्य खनिज के 9 ब्लाक में खनिज ब्लॉक में मुख्य खनिजों का उत्पादन में 32774 करोड़ का प्रस्ताव।

### छह साल पहले की गई घोषणा अभी तक कमेटी व बैठकों में उलझी

# कैशलेस इलाज की फाइल बेनजीता मप्र के सरकारी कर्मचारी कसमसाए

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

**मप्र के करीब बारह लाख सरकारी कर्मचारी आयुष्मान कैशलेस स्वास्थ्य योजना के लागू होने का छह साल से इंतजार कर रहे हैं। तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने इसकी घोषणा की थी। तब से तीन मुख्यमंत्री आ चुके हैं लेकिन कर्मचारियों का इंतजार जारी है। इस योजना से सरकार के खजाने पर करीब सौ करोड़ का सालाना बोझ आने के आसार हैं।**

बताया जाता है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 9 सदस्यीय समिति का गठन फरवरी 2024 को किया था। इसमें शासकीय कर्मचारी, कार्यकर्ता, संविदा कर्मचारियों को आयुष्मान भारत निरामयम प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत शामिल किए जाने को लेकर कमेटी को निर्णय लेना था। कमेटी का गठन शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में कैबिनेट बैठक के फैसले के

परिपालन में हुआ था। इसमें शासकीय कर्मचारियों को हर साल 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य सुरक्षा लाभ देने की स्वीकृति के संबंध में निर्णय लेना था। इस कमेटी में मुख्य सचिव के अलावा अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा (तब एसीएस विभाग प्रमुख थे अब प्रमुख सचिव हैं), अपर मुख्य सचिव पंचायत और ग्रामीण विकास (तब एसीएस विभाग प्रमुख थे अब प्रमुख सचिव हैं), प्रमुख सचिव वित्त विभाग (तब प्रमुख सचिव थे अब अपर मुख्य सचिव हैं)।

इस अनिश्चय के चलते कर्मचारी भी खदबदा रहे हैं। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी का कहना है कि तीन मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी प्रदेश के कर्मचारियों को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा का लाभ नहीं मिल पाना दुर्भाग्यपूर्ण है। अधिकारी-कर्मचारियों को अन्य प्रदेशों में लागू आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा की तरह 5 लाख से 10 लाख रुपए तक के इलाज की सुविधा देने की घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा करने के बाद कर्मचारियों को आदेश का इंतजार है। कर्मचारी गंभीर बीमारी पर भी इलाज की सुविधा से वंचित हैं।

### अभी जेब से खर्च करना पड़ती है फीस

अभी जारी व्यवस्था के मुताबिक कर्मचारी जब इलाज कराते हैं और खर्च हुई राशि का रिहैंबर्समेंट कराने के लिए अपने विभाग में आवेदन करते हैं। इसके लिए पहले डॉक्टर, मेडिकल बोर्ड या डायरेक्टर हेल्थ व मेडिकल एजुकेशन का अप्रूवल लगता है। यदि कर्मचारी अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराते हैं तो 5 लाख तक क्लेम की मंजूरी संभागीय स्तर के सरकारी अस्पताल के डीन की अध्यक्षता में बनी कमेटी निर्णय करती है। क्लेम 5 लाख से अधिक और 20 लाख तक है तो संचालक स्वास्थ्य सेवाएं की अध्यक्षता में बनी कमेटी रिम्बर्समेंट को मंजूरी देती है। सरकारी सेवक स्वयं या परिजन का बाह्य रोगी के रूप में इलाज कराता है। तो इसमें एक साल में अधिकतम 20 हजार रुपए रिहैंबर्समेंट होगा। लगातार हो तो 3 माह में 8000 रुपए से अधिक नहीं होना चाहिए। जिला मेडिकल बोर्ड की मंजूरी जरूरी रहती है।

# दो अक्टूबर से उद्योग-व्यवसाय में लागू की जाएगी श्रम स्टार रेटिंग

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

**अब प्रदेश में उद्योग तथा व्यवसायों के लिए श्रम स्टार रेटिंग जरूरी होगी और यह योजना 2 अक्टूबर से शुरू होगी। इस योजना में तय की जाने वाली रेटिंग किस तरह की जाए, इसको लेकर उद्योगपतियों, व्यवसायियों और कारोबारियों के सुझाव लिए जाएंगे। इसके बाद फाइनल स्कीम पर सरकार की स्वीकृति लेकर उद्योगों को प्रोत्साहित करने का काम किया जाएगा। योजना में उद्योगों की अलग-अलग कैटेगरी के आधार पर सरकार की ओर से वेटेज दिए जाने पर भी फैसला किया जाएगा।**

ऐबताया जाता है कि श्रम कानून एवं औद्योगिक स्वास्थ्य व सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के पालन, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर राज्य सरकार ने इस पर काम शुरू किया है। श्रम स्टार रेटिंग को लेकर श्रम विभाग के सचिव ने उद्योग तथा व्यवसायों के प्रतिष्ठित संगठनों तथा प्रबंधकों से एक दौर की चर्चा भी की है। श्रम विभाग के सचिव राजेंद्रन ने कहा है कि इसके लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का भी काम होगा इस मौके पर उद्योगपतियों ने कहा कि सेल्फ असेसमेंट की प्रणाली में स्वप्रबंधन को प्रस्तावित वेटेज अधिक दिखता है, यह

प्रणाली अधिक युक्तियुक्त होना चाहिए। उद्योगों में महिला सहभागिता के संबंध में उद्योगवार अलग-अलग मापदण्ड होना चाहिए। कई उद्योगों में महिलाएं अधिक और कहीं बहुत कम हैं, इसलिए इसके अनुरूप वेटेज होना चाहिए। कुछ ने यह भी कहा कि लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों के लिए श्रम स्टार यह अनिवार्य नहीं होना चाहिए तथा स्वतंत्र इम्पेनल्ड एजेंसियों का चयन उद्योगों तथा विभाग की सहमति से तय किया जाना उचित होगा।

### स्कूल शिक्षा विभाग ने की परीक्षाओं की तैयारी

# स्कूल शिक्षा विभाग दिसंबर में कराएगा अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं शैक्षणिक कैलेंडर हुआ जारी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

**स्कूलों में सितंबर में तिमाही और दिसंबर में अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं होंगी। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक कैलेंडर जारी किया है। विभाग के समक्ष चुनौती अर्द्धवार्षिक परीक्षा को लेकर है। यदि परीक्षा में ज्यादा विद्यार्थी कमजोर निकले, तो उनकी तैयारी कराने में शिक्षकों को ज्यादा मेहनत करनी होगी। इसलिए संकुल प्राचार्यों को अभी से बच्चों की तैयारी पर विशेष जोर देने के लिए कहा गया है।**

इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं होने के बाद अतिरिक्त विशेष कक्षाएं लगेंगी। इन कक्षाओं में उन विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएगा, जो इस परीक्षा में कमजोर चिन्हित किए जाएंगे। संकुल प्राचार्यों को लक्ष्य दिया जाएगा कि जनवरी तक उन्हें हर विषय में दक्ष बनाना होगा। इसके बाद रिवीजन कराया जाएगा। विद्यार्थियों की जो कमजोरियां और समस्याएं हैं, उनका समाधान शिक्षक कक्षाओं में ही करेंगे।

### विभाग ने अफसरों को दिए निर्देश

विभाग के अफसरों ने बताया कि डीईओ को निर्देश दिए गए हैं कि शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस पर पूरा फोकस किया जाए। ई-अटेंडेंस हर शाला में शत-प्रतिशत होना चाहिए। जो शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति नहीं भर रहे हैं, उन पर सख्त कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार किया जाए। अब ई-अटेंडेंस से दूरियां बनाने वाले शिक्षकों पर कोई रहम न हो, क्योंकि जुलाई में शिक्षक ऐप पर शिक्षकों की उपस्थिति का आंकड़े 40 फीसदी से कम रहा है। ऐसे में जब शिक्षक नियमित विद्यालयों में पहुंचेंगे तो निश्चित तौर पर अध्यापन व्यवस्था भी सुधरेगी।

## उदयपुरा के कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हुए

**भोपाल।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल व संगठन महामंत्री हितानंद और मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के समक्ष रायसेन जिले के उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के बरेली के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश उपाध्याय, जिला यूथ कांग्रेस महामंत्री आदित्य स्थापक, सेक्टर अध्यक्ष, राजेश पचौरी, माखन धाकड़, अशोक घनघोरिया, सुरेश धामले (रिटायर्ड डीएसपी), रामकिशोर राजोरिया, नवनीत भार्गव (वकील) सहित 280 से अधिक कांग्रेस कार्यकताओं ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर मिस्ड कॉल के माध्यम से पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी भी मौजूद रहे।

# उत्कृष्ट कार्य के लिए ग्राम्य आइकोनिक अवार्ड

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी में ग्राम्य आइकॉनिक अवार्ड 2025 समारोह में सामाजिक सेवा, पर्यावरण, संस्कृति, खेल, मीडिया, उद्यमिता और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्यों के असाधारण काम करने वाले लोगों को अवार्ड दिया गया है। इस मौके पर उत्तराखंड के सामाजिक कल्याण मंत्री; महेंद्र भट्ट, सांसद ता वानखेड़े, सांसद आदि मौजूद थे। यह पहल ग्राम्या के अध्यक्ष एवं सीएमडी और कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष डॉ. पंकज शुक्ला नेकी है। ग्राम्या एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन है जो अभिनव मिशनों के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। इसकी पहल का ध्यान ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक नेतृत्व और खेल विकास पर एक स्थायी प्रभाव बनाने पर है, जिसका मूल दर्शन गांवों से भारत को ऊपर उठाना है। अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि भट्ट ने कहा कि, ग्राम्य आइकॉनिक अवार्ड्स केवल उत्कृष्टता का सम्मान करने के लिए नहीं हैं, बल्कि भारत के गुमनाम नायकों - सामाजिक सुधारकों, पर्यावरण योद्धाओं, मीडिया की आवाजों और खेल चैंपियनों का जश्न मनाने के लिए हैं। साथ मिलकर, वे समृद्ध ग्राम; समृद्ध भारत के दृष्टिकोण को मूर्त रूप देते हैं।

**मेट्रो एंकर** — भोपाल हाट में दो दिवसीय आजीविका फ्रेश मेले का उद्घाटन

# स्व-सहायता समूहों के स्टॉल पर मिल रहे रसायन रहित उत्पाद

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्व-सहायता समूहों का दो दिवसीय आजीविका फ्रेश मेला भोपाल हाट में 23 एवं 24 अगस्त को आयोजित किया गया है। मेले का शुभारंभ आज पंचायत एवं ग्रामीण विकासराज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह ने किया। मेले में विभिन्न जिलों से आई स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा रसायन रहित एवं जैविक तरीके से उगाये हुये कृषि उत्पादों, दुग्ध उत्पादों सहित अन्य उत्पादों का विक्रय सह प्रदर्शन किया जा रहा है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राज्यमंत्री राधा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का शुभारंभ कर उद्बोधन दिया। तत्पश्चात मेला भ्रमण कर समूहों की दीदियों से चर्चा की, उत्पाद देखे,कला प्रदर्शन करने वाली दीदियों का हौसला बढाया तथा व्यंजनों का स्वाद भी चखा। इसके पूर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन श्रीमती हर्षिका सिंह ने स्वागत उद्बोधन देते हुये मेले के संबंध में जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को वृहद बाजारों से जोडने के लिये अनेक प्रयास आजीविका मिशन द्वारा किये जा रहे हैं। इसी क्रम में स्व-सहायता समूहों का दो दिवसीय आजीविका फ्रेश मेला अरेरा हिल्स पर स्थित भोपाल हाट परिसर में आयोजित किया गया है,मेला प्रातः11 बजे से रात्रि 09.30 बजे तक चलेगा।

### समूहों द्वारा रसायन रहित तैयार किए जा रहे उत्पाद

मेले में विभिन्न जिलों से आई ग्रामीण स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा स्टॉल लगाये गये हैं, समूहों से जुडेपरिवारों को कम लागत में अधिक उपज हेतु कृषि एवं पशुपालन की उन्नत तकनीकि अपनाने के लिये कृषि सखियों व पशुपालन सखियों द्वारा सहयोग दिया जा रहा है। विशेष रूप से प्राकृतिक पद्धति से रसायन रहित जैविक उत्पाद तैयार करने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन प्रयासों के फलस्वरूप समूहों द्वारा रसायन रहित उत्पाद तैयार किये जा रहे हैं जिन्हें इस मेले में खास तौर से लाया गया है। इनमें मुख्य रूप से अनाज,दलहन, तिलहन, सब्जियां एवं फल दुग्ध आधारित उत्पादों में देशी गाय एवं गिर गाय का घी, पनीर, सोयाबीन उत्पादों में टोफू, सोयाबडी, मशरूम आधारित उत्पादोंमेंसूखा मशरूम आदि शामिल हैं।

दोपहर मेट्रो

# प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 24 अगस्त 2025 epaper.dopaharmetro.com

## क्षमा व पश्चाताप से हल्का हो जाता है मन का बोझ, करुणा का भाव रखना ही सूत्र

■ दलाई लामा

क्षमा करुणापूर्ण व्यवहार का आवश्यक अंग है। लेकिन, इसे समझने में कई बार भूल हो जाती है। क्षमा का अर्थ गलती को भूल जाना नहीं होता। अगर व्यक्ति अपने साथ हुए दुर्व्यवहार को भूल जाए, तो फिर क्षमा करने के लिए कुछ बाकी ही नहीं रहेगा ! मैं कहना चाहता हूं कि हमें अपने साथ हुए दुर्व्यवहार से निपटने के लिए कोई ऐसा रास्ता तलाशना चाहिए, जिससे हमें मानसिक शांति मिले। साथ ही हमारे भीतर प्रतिशोध जैसी विध्वंसात्मक प्रवृत्ति विकसित न होने पाए। एक जरूरी बात यह है कि जो हो गया, उसे स्वीकार करना चाहिए। यह व्यक्तिगत स्तर पर हो या सामाजिक स्तर पर, यह मानना बहुत जरूरी है कि बीता हुआ कल हमारे नियंत्रण से परे है। मगर अतीत में हुए दुर्व्यवहार पर हमारी प्रतिक्रिया निश्चित रूप से हमारे नियंत्रण में होती है। कर्ता और कर्म के अंतर को ध्यान रखना जरूरी है। कई बार इसमें बहुत कठिनाई होती है। यदि हम या हमारा कोई संबंधी किसी अपराध का शिकार हो जाए, तो ऐसे में अपराधी से घृणा न करना मुश्किल होता है। फिर हम थोड़ा विचार करें, तो पाएंगे कि अपने कर्मों के संदर्भ में हम किसी कुकृत्य और उसके कर्ता के बीच लगभग प्रतिदिन भेद करते हैं। क्रोध या चिड़चिड़ाहट के क्षणों में हम अपने प्रियजनों के साथ रूखा या गुस्से का बर्ताव करते हैं। बाद में हमें पश्चाताप या दुख होता है, लेकिन हम पीछे मुड़कर अपनी उस प्रतिक्रिया पर विचार करते हैं, तो हम आसानी से स्वयं में और अपने किए काम में अंतर देख पाते हैं। हम स्वयं को क्षमा भी कर देते हैं और कई बार वचन देते हैं कि हम गलती को फिर नहीं दोहराएंगे। यदि हम स्वयं को क्षमा कर सकते हैं, तो दूसरों को भी कर सकते हैं।

हालांकि, यह सच है कि कई बार व्यक्ति स्वयं को भी क्षमा नहीं कर पाता। यह स्थिति बाधक बन जाती है। ऐसे लोगों को करुणा और अपने प्रति क्षमाशील होने का अभ्यास करना चाहिए, क्योंकि इसी से दूसरों के प्रति करुणा और क्षमाशीलता का आधार तैयार होता है। एक और सच बात जो ध्यान रखने लायक है कि दूसरों को क्षमा कर देने से हमें स्वयं भी बोझ से मुक्ति मिलती है। यदि हम अपने साथ हुए दुर्व्यवहार पर विचार करते हैं, तो हमारे भीतर क्रोध और वैमनस्य का भाव जाग उठता है। लेकिन उन दुखद स्मृतियों और बुरे विचारों को मन में रखने से लाभ नहीं होता और न ही इससे अपराध के निवारण का रास्ता बनता है। इसका हम पर सकारात्मक प्रभाव भी नहीं पड़ता, बल्कि इससे मानसिक शांति भंग होती है, नींद खराब हो जाती है और आगे चलकर शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। दूसरी ओर, यदि हम अपराधी के प्रति मन में उठे वैमनस्य को दूर कर दें और उसे क्षमा कर दें, तो निश्चित रूप से हमें तुरंत लाभ प्राप्त होता है। बीती बातों को भूलने तथा दूसरों का कल्याण चाहने से हमें आत्मविश्वास और स्वतंत्रता मिलती है और हम नकारात्मक विचारों से ऊपर उठकर जीवन में आगे बढ़ सकते हैं।

सूत्र-करुणा का भाव रखें ञजीवन में स्वयं या दूसरों के प्रति करुणा का भाव रखें। इससे जीवन सुंदर और पहले से बेहतर होने लगेगा। चौबीस घंटों में जीवन की लय एक जैसी नहीं होती, इस बीच कई तरह की चीजें हमारे साथ होती हैं, हम क्रोध, प्रेम और दुख, सब कुछ महसूस करते हैं। लेकिन इन सब के बावजूद हमें करुणा का भाव रखना चाहिए।

# फिर रिटर्न-टू-ऑफिस का चलन

**कोविड 19 के कुछ साल बाद अब फिर कंपनियों के ऑफिसों में रिटर्न-टू-ऑफिस का ट्रेंड लौट आया है। कहीं-कहीं सप्ताह में पांच दिन ऑफिस बुलाया जाने लगा है। शायद वर्क फ्रॉम होम का मॉडल टीम सहयोग, नवाचार और कंपनी संस्कृति के पैमाने पर खरा नहीं उतरा। वहीं इस बदलाव पर कर्मचारियों की अलग-अलग प्रतिक्रिया है।**

■ नरेंद्र कुमार

कोरोना महामारी के दौरान कारपोरेट जगत में ज्यादातर कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करने लगे थे। लेकिन पिछले दो सालों में अब तेजी से रिटर्न-टू-ऑफिस का ट्रेंड चल पड़ा है। लगभग तीन साल चले वर्क फ्रॉम होम के बाद हाइब्रिड और फिर आंशिक रूप से फुल ऑफिस और अब ज्यादातर ऑफिसों में पूरी क्षमता के साथ भी रिटर्न-टू-ऑफिस का ट्रेंड लौट आया है, भारत भी इससे अछूता नहीं है। वर्क फ्रॉम होम (डब्ल्यूएफएच) से रिटर्न-टू-ऑफिस (आरटीओ) की यह तस्वीर विभिन्न देशों में अलग-अलग है। अमेरिका में गूगल, अमेजन, जेपी मॉर्गन और गोल्डमैन सॉक्स तक जैसी कंपनियों में अब हफ्ते में तीन दिन आना जरूरी हो गया है। ऑस्ट्रेलिया में 39 फीसदी से ज्यादा कंपनियों ने हफ्ते में पांच दिन ऑफिस आना अनिवार्य कर दिया है।

भारत में आईटी और टेक सेक्टर में धीरे-धीरे हफ्ते में तीन दिन ऑफिस शुरु हुआ है। टीसीएस, इनफोसिस, विप्रो जैसी कंपनियों में कहीं-कहीं पांच दिन भी बुलाया जाने लगा है। इनफोसिस ने अपनी ज्यादातर टीमों के लिए हफ्ते में पांच दिन का ऑफिस कर दिया है, जबकि बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों में यह महामारी के बाद से ही फुलटाइम ऑफिस बना हुआ है। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसी बैंक, एक्सेस बैंक ने तो कोरोना महामारी के तुरंत बाद से कर्मचारियों के लिए फुलटाइम ऑफिस जरूरी कर दिया है। हालांकि कुछ स्टार्टअप्स और ई-कॉमर्स जैसे फ्लिपकार्ट, जोमेटो आदि कंपनियों ने कोरोना के बाद हाइब्रिड मॉडल अपनाया है। लेकिन सीनियर मैनजमेंट की मौजूदगी यहां भी जरूरी हो गई है।कोरोना महामारी ने जो वर्क फ्रॉम होम का लचीला वर्क मॉडल दिया था, वह टीम सहयोग, नवाचार और कंपनी संस्कृति के पैमाने पर खरा नहीं उतरा। माना जा रहा है कि वर्चुअल मीटिंग से इन पैमानों पर बॉडिंग कल्चर नहीं पनपती। नये कर्मचारियों के प्रशिक्षण और ऑन बॉडिंग में दूरी भी एक बाधा है। वहीं सबसे बड़ी वजह प्रोडक्टिविटी और इनोवेशन है। आमने सामने काम करने से स्पोनटैनियस, ब्रेन स्टोर्मिंग और तेज फैसले लेना आसान होता है। यही नहीं लंबे वर्क फ्रॉम होम अवधि से ऑफिस के साथ कर्मचारियों का जुड़ाव घटता है। यही नहीं कई क्लाइंट ऑन साइट टीम और फिजिकल वर्क शॉप की शर्त रखते हैं।लीज़ पर लिये गये ऑफिस स्पेस का बेहतर उपयोग और शहरी व्यापार के पुनरुत्थान का जो कमर्शियल और आर्थिक दबाव है, उसके कारण भी अब वर्क फ्रॉम होम वर्क कल्चर से ज्यादातर कंपनियां दूरी बना रही हैं। साल 2025 की दूसरी तिमाही में भारत के कारपोरेट जगत में आरटीओ को लेकर जो स्थितियां देखी गईं, उनमें आईटी और सॉफ्टवेयर कंपनियों ने दो से तीन दिन ऑफिस में उपस्थिति अनिवार्य कर दी है। बैंकिंग, फाइनेंस आदि में तो फुलटाइम ऑफिस अनिवार्यता है। हां, ई-कॉमर्स क्षेत्र में लीडरशिप का दफ्तर में होना और बाकी कर्मचारियों का वर्क फ्रॉम होम अभी चल रहा है। लेकिन मीडिया/कंसल्टिंग ऑफिसेज में हफ्ते में तीन से चार दिन ऑफिस आना जरूरी है क्योंकि ये क्लाइंट ड्रिवन क्षेत्र हैं।

सवाल है कि इन सबमें कर्मचारियों की क्या प्रतिक्रिया है? बहुत से कर्मचारी दोबारा से ऑफिस पहुंचकर खुश हैं। उनके मुताबिक रोज ऑफिस आना कैरियर और प्रमोशन के लिहाज से अच्छी बात है। कैरियर ग्रोथ और सामाजिक इटरेक्शन भी होता है। हालांकि एक बड़ी तादाद ऐसे कर्मचारियों की भी है, जो कहते हैं ट्रैफिक, दफ्तर तक पहुंचने का लंबा सफर और वर्क लाइफ बैलेंस रोज 9 से 6 ऑफिस आने पर पूरी तरह से अंसतुलित हो जाते हैं। ये कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम के पक्ष में हैं। हालांकि अब ज्यादातर समय ऑफिस में काम करना पड़ेगा। हाइब्रिड मॉडल कारपोरेट दुनिया का स्थायी वर्क कल्चर भी बन सकता है, जिसमें हफ्ते में कम से कम दो से तीन दिन ऑफिस आना जरूरी हो जायेगा और बाकी दिनों में ज्यादा घंटे घर में काम करके बताना होगा व कंपनियां दूर की तकनीक के बदौलत अपने वर्क फ्रॉम होम कर्मचारियों पर कैमरे से नजर रखेंगी।

-साभार

# तेज भागने के चक्कर में हम भूल गए हैं कि जाना कहां है

■ सुंदरचंद ठाकुर

हम सब तेज भाग रहे हैं। किसी को कुछ हासिल करना है, किसी को कुछ साबित करना है, किसी को किसी से आगे निकलना है। सुबह आंख खुलते ही दौड़ शुरू हो जाती है - काम की, समय की, सफलता की, नाम की। पर कभी सोचा है कि ये रेस किसके लिए है? और किस दिशा में है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हम इतनी तेजी से भाग रहे हैं कि रास्ता ही भूल गए हैं? या शायद मंजिल ही बदल गई है, पर हम रुके नहीं, जांचने नहीं गए। बस उसी रफ्तार से भागे जा रहे हैं, जैसे बस दौड़ते रहना ही जीवन हो। आज की दुनिया में हर चीज फास्ट हो गई है - फास्ट इंटरनेट, फास्ट फूड, फास्ट डिलीवरी, फास्ट रिजल्ट। धीरे चलने का मतलब है पीछे छूट जाना। ठहरने का मतलब है असफलता। और इस डर में, हम दौड़ते चले जा रहे हैं। पर भीतर कहीं कुछ चुपचाप टूटता जा रहा है। दौड़ में सबसे पहले जो खोता है, वह है शांति। फिर आता है ध्यान। फिर रिश्ते। और धीरे-धीरे, हम खुद को ही खो देते हैं। हम जो बनना चाहते थे, वह छवि पीछे छूट जाती है। हम जिस इंसान को बचाकर रखना चाहते थे वो मासूम, वो संवेदनशील, वो सोचने-समझने वाला इंसान - वह इस तेज रफ्तार में कहीं धुंधला पड़ जाता है। हम सुबह जागते हैं, मोबाइल उठाते हैं, सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हैं। हर कोई कुछ कर रहा है - किसी ने कोई बड़ी डील क्लोज की है, कोई विदेश घूम रहा है, कोई नया बिजनेस लॉन्च कर रहा है और हम बेचैन हो जाते हैं। लगता है हमें भी दौड़ना है। कहीं पीछे न रह जाएं। लेकिन रुककर पूछने वाला कोई नहीं बचा कि क्या जिस रास्ते पर हम भाग रहे हैं, वह वाकई हमारे लिए है? कभी-कभी सबसे बहादुरी भरा कदम होता है रुक जाना। अपनी रफ्तार को धीमा करना। भीतर की आवाज सुनना। खुद से पूछना - क्या मैं खुश हूं? क्योंकि जीवन कोई प्रतियोगिता नहीं है। यह एक यात्रा है। और अगर इस यात्रा में आप सिर्फ भागते रहे और नज़ारे ही नहीं देखे, तो अंत में बस थकान बचेगी, अनुभव नहीं। कई बार जिनको हम पीछे समझते हैं, वे असल में अपने जीवन के सबसे सुंदर मोड़ पर होते हैं। वे चल रहे होते हैं - फूलों को देखते हुए, रिश्तों को सींचते हुए, अपने मन से बातें करते हुए। वे देर से पहुंचते हैं, पर सही जगह पहुंचते हैं। आज ज़रूरत इस बात की है कि हम रफ्तार को सफलता से न जोड़ें। सफलता वह नहीं जो तेज भागने से मिले, सफलता वह है जो अपने भीतर की सच्चाई को जीने से मिले। शायद हमें रुककर सोचने की जरूरत है - क्या हम जी रहे हैं या बस दौड़ रहे हैं? इस बात को समझलीजिए कि भागने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि आखिरी में जीवन कोई प्रतियोगिता नहीं है, वह तो एक धीमी नदी है, जो भीतर बहती है।जो जितना शांत होता है, वह उतना गहरा उतरता है। जो जितना धीरे चलता है, वह उतना अधिक देखता है। और जो खुद को पूरे होश में जितना देखने लगे वही सचमुच और उतना ही जिंदा होता है। (साभार)

# फैटी लिवर से छुटकारा दिलाती है हेल्दी डाइट

LIFESTYLE

**भारत में फैटी लिवर बीमारी बहुत तेजी से बढ़ रही है। यह बीमारी भारत में लगभग करीब 38 फीसद को प्रभावित कर रही है। इसमें लिवर में चर्बी जमा हो जाती है। इसकी कई वजह हैं जैसे मोटापा, शुगर और कम फिजिकल एक्टिविटी की कमी।**

हालांकि लिवर एक ऐसा अंग है जो खुद को ठीक कर लेता है लेकिन जब लक्षण गंभीर होते हैं, तो ध्यान देना बहुत जरूरी है। फैटी लिवर डिजीज अब सिर्फ शराब या मोटापे से जुड़ी नहीं रही। बल्कि यह उन लोगों में भी दिख रही है जो न तो शराब पीते हैं और न ही ज्यादा खाते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट और डाइटीशियन कहते हैं कि फैटी लिवर का सबसे बड़ा कारण डेली डाइट है। यानि ऐसा खाना, जो लिवर पर बोझ डालता है और उसे जरूरी पोषण नहीं देता है। डाइट में बदलाव से लिवर सिर्फ 90 दिनों में खुद को रिपेयर करना शुरू कर सकता है। फाइबर इंसुलिन को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है, सूजन कम करता है और शरीर से एक्स्ट्रा हार्मोन को बाहर निकालता है। ये सब फैटी लिवर को रिवर्स करने में सहायक हैं। लिहाजा खाने में अलसी के बीज, चिया सीड्स, चना, दालें और ब्रोकोली जैसे हरी सब्जियों को अधिक मात्रा में शामिल करना जरूरी है। ओमेगा-3 फैटी एसिड लिवर में चर्बी जमने से रोकते हैं। इसके लिए मछली, अलसी का तेल और अखरोट अच्छे ऑप्शन हैं। चीनी में फ्रक्टोज होता है, जो सीधे लिवर में चर्बी के रूप में जमा होती है, चाहे इंसान पतला ही क्यों न हो। पैकेज्ड जूस, फ्लेवर्ड दही, एनर्जी बार और सिरप में छुपी हुई शुगर लिवर में चर्बी जमा करती है। ऐसी चीजों को छोड़ना लिवर पर बोझ घटा सकता है। इसके अलावा फाइबर वाले साबुत फलों का ज्यादा सेवन करें। फाइबर इंसुलिन को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है।

## वजन घटाने की धुन न बन जाए हार्टअटैक की वजह

**दुनियाभर** में कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी, मोटापा और सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को इसका प्रमुख कारण माना जाता है। शोध बताते हैं, अगर हम सिर्फ अपने आहार में ही सुधार कर लें तो इससे बीमारियों के जोखिमों को काफी हद तक कम करने में मदद मिल सकती है। यही कारण है कि आजकल इंटरमिटेंट फास्टिंग, फिटनेस और वजन घटाने का सबसे ट्रेंडिंग तरीका बन गया है। लोग इसे 'जादुई डाइट प्लान' मानकर अपनाने लगे हैं। अध्ययन भी कहते हैं कि इससे न सिर्फ वजन कंट्रोल होता है बल्कि ब्लड शुगर, मेटाबॉलिज्म और दिमाग की सेहत पर भी बेहतर असर देखा गया है। लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। जहां कुछ शोध बताते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग जैसे डाइट प्लान आपकी सेहत में बेहतर सुधार करने में मददगार हैं, वहीं कुछ रिपोर्ट्स में ये भी चेतावनी दी गई है कि लंबे समय तक इंटरमिटेंट फास्टिंग करने से हृदय रोग और अचानक मौत का खतरा भी बढ़ सकता है।अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने एक अध्ययन की रिपोर्ट में बताया कि बिना अपनी सेहत के बारे में जाने, लोगों को देखकर आप भी इंटरमिटेंट फास्टिंग कर रहे हैं तो इससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। 8 घंटे के सीमित समय में भोजन करने वाले इस डाइट प्लान से हृदय संबंधी मृत्यु का खतरा 91त्न बढ़ जाता है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग क्या-इसमें दिन के कुछ घंटे खाना खाते हैं और बाकी समय उपवास रखते हैं। इसका आसान सा नियम है - 16-8 का पालन करना यानी 16 घंटे उपवास और 8 घंटे में भोजन।

# जमकर बरस रहा मानसून, गुना- राजगढ़, समेत 16 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

प्रदेशभर में बारिश का सिलसिला जारी है। शनिवार को शिवपुरी, डिंडौरी, शाजापुर समेत 20 जिलों में बारिश हुई। ऐसा ही मौसम आज भी बना रहेगा। मौसम विभाग ने ग्वालियर-श्योपुर समेत 16 जिलों में अति भारी और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) की वजह से मध्य प्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी है। प्रदेश में अब तक औसत 34.2 इंच बारिश हो चुकी है। 2.8 इंच पानी और गिरते ही सीजन की बारिश का कोटा फुल हो जाएगा। गुना में औसत 52 इंच पानी गिर चुका है। वहीं, मंडला और अशोकनगर में आंकड़ा 50 इंच से ज्यादा है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में उज्जैन संभाग के नीमच और मंदसौर में अति भारी बारिश का अनुमान जताया है। यहां साढ़े 8 इंच तक पानी गिर सकता है। वहीं, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, आगर-मालवा, रतलाम, झाबुआ, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर और सिंगरौली में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

इस बार बारिश के मामले में गुना सबसे आगे रहा। यहां औसत 52 इंच पानी गिर चुका है। मंडला-अशोकनगर में 50 इंच से ज्यादा बारिश हुई है। वहीं, टीकमगढ़ में 47.3 इंच और निवाड़ी में 46.7 इंच बारिश हो चुकी है। प्रदेश में जब से मानसून एंटर हुआ, तब से पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में तेज बारिश हुई है। छतरपुर, मंडला, टीकमगढ़, उमरिया के अलावा ग्वालियर-चंबल में भी मानसून जमकर बरसा है। यहां के 8 जिलों में से 7 में कोटे से ज्यादा पानी गिर चुका है। इनमें ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, भिंड, मुरैना और श्योपुर शामिल हैं। दतिया में भी 92 प्रतिशत से अधिक बारिश हो चुकी है। दूसरी ओर, इंदौर और उज्जैन संभाग में सिस्टम की एक्टिविटी कम देखने को मिलीं।

### अब तक प्रदेश में 34.2 इंच गिर चुका पानी

## श्वेतांबर जैन समाज ने निकाली पोथाजी यात्रा

**गंजबासौदा।** श्वेतांबर जैन समाज द्वारा पर्यूषण पर्व के अवसर पर पोथाजी की पालकी यात्रा निकाली गई। यह यात्रा गांधी चौक स्थित मंदिर से शुरू हुई और शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस मंदिर परिसर स्थित उपाश्रय भवन में संपन्न हुई। गांधी चौक से शुरू हुई इस यात्रा में गाजे-बाजे और भजन-कीर्तन के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं ने गरबा नृत्य की प्रस्तुति दी, जबकि पुरुषों ने सफेद वस्त्र पहनकर भजन-कीर्तन में भाग लिया। यात्रा के दौरान, धर्मग्रंथ कल्पसूत्र जिनवाणी का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। यात्रा चाचा वाली गली, चांदसी अस्पताल और सदर बाजार से होकर गुजरी। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह समाज के लोगों और नगर के अन्य समाजों के सदस्यों ने पालकी की आरती कर भेंट अर्पित की। पूरा मार्ग भक्तिमय माहौल से सराबोर था। इस अवसर पर समाज के सभी वर्गों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

## बिना परमिट चल रही यात्री बस खाई में उतरी

**राजगढ़।** राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर ब्यावरा थाना क्षेत्र में सुठालिया बाइपास फ्लाईओवर के समीप शनिवार दोपहर बिना परमिट चल रही प्रियंका यात्री बस अनियंत्रित होकर खाई में उतर गई। घटना के दौरान बस में 12 यात्री सवार थे, जिन्हें किसी भी प्रकार की कोई चोट नही लगी है, जबकि बस क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने मौके से बस को कब्जे में लेकर इस्तगासा तैयार किया, जिसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। बताया गया है कि स्पीडब्रेकर के चलते आगे जा रहे कंटेनर ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर खाई में उतर गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से बस को कब्जे में लेकर थाना पहुंचाया वहीं यात्रियों को दूसरे वाहन से गंतव्य स्थान के लिए रवाना किया।

## ब्लॉक प्रबंधक सुमित तिवारी का सम्मान

**तेंदूखेड़ा।** नगर की कृषि उपज मंडी में आयोजित सम्पूर्णता अभियान के तहत श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर राज्य मंत्री धमेन्द्र सिंह लोधी द्वारा सम्मान किया गया। आजीविका मिशन के ब्लॉक प्रबंधक सुमित तिवारी को प्रशस्ति पत्र मिला। दौरान जिला कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर भी मौजूद रहे है। ज्ञात हो कि नीति आयोग भारत सरकार एवं प्रदेश शासन के मार्गदर्शन में संचालित संपूर्णता अभियान के अंतर्गत 5 विभागों स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला बाल विकास एवं ग्रामीण विकास से जुड़े छह इंडिकेटर्स में शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने पर मुख्य मंत्री मोहन यादव द्वारा तेंदूखेड़ा के पॉच पॉच विभागो के लगभग 48 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान किया गया है।

### खंडहर में तब्दील हो रहा है पशुओं का अकेला अस्पताल, आंदोलन की राह पर गौसेवक

# बरसात और धूप में खड़े रहने को मजबूर हैं पशु और उनके पालक

**अमित श्रीवास्तव, औबेदुल्लागंज**

क्षेत्र का एकमात्र पशु चिकित्सालय आज खंडहर में तब्दील हो चुका है। प्रशासनिक अनदेखी और वरिष्ठ अधिकारियों की बेरुखी के चलते अस्पताल का भवन जर्जर हालत में पहुँच गया है। दीवारों पर दरारें, छत से झड़ता प्लास्टर और गंदगी से भरा परिसर अस्पताल की दुर्दशा को साफ़ बयान कर रहा है।

अस्पताल में दवाइयों का टोटा है, आवश्यक उपकरण उपलब्ध नहीं हैं और कई पद वर्षों से खाली पड़े हैं। नतीजतन डॉक्टर और मौजूद स्टाफ सीमित संसाधनों में ही मवेशियों का इलाज करने को मजबूर हैं। आपातकालीन स्थिति में तो हालात और भी बिगड़ जाते हैं। वरिष्ठ पशु चिकित्सक का कहना है कि अस्पताल में सुविधाओं की बेहद कमी है। कई बार उच्च अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से स्थिति बताई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उनका कहना है कि जब तक दवाइयाँ, उपकरण और स्टाफ उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक इलाज के हालात सुधरना मुश्किल है। इलाज के लिए दूर-दराज़ से आने वाले मवेशियों और पशुपालकों को घंटों खुले में खड़ा रहना पड़ता है। बरसात और धूप में इंतज़ाम न होने से जानवरों की स्थिति और बिगड़ जाती है। ग्रामीणों ने रोष जताते हुए कहा कि जिस अस्पताल पर पूरे क्षेत्र की निर्भरता है, वही प्रशासनिक उपेक्षा की भेंट चढ़ चुका है। ग्रामीणों और गौसेवकों ने चेतावनी दी है कि यदि अस्पताल की दुर्दशा पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा पशु चिकित्सालय को पुनर्जीवित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है, और अगर जिम्मेदार अधिकारी अब भी मूकदर्शक बने रहे तो इसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा।

### इनका कहना हैं

इंफ्रास्ट्रक्चर की बहुत ज्यादा जरूरत है भवन खंडहर हो चुका है स्टाफ की भारी कमी से हम जूझ रहे हैं इंफ्रास्ट्रक्चर अगर समय रहते दुरुस्त कर दिया जाए तो काफी हद तक व्यवस्थाएं सुधारी जा सकती है साथ ही खाली पड़े पदों को भी जल्द से जल्द भरें जाए ।

– सतीश चौरे, पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी औबेदुल्लागंज

## बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के आरोपी को फांसी की सजा

**सागर।** मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी गला घोंटकर निर्मम हत्या करने के एक आरोपी को अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। विशेष न्यायालय ने इसे विरल से विरलतम केस मानते हुए फैसला सुनाया है। आरोपी कुटुंब का ही है। कोर्ट ने फैसले में लिखा है कि समाज में कन्या को देवी के रूप में पूजा जाता है। इतनी कम उम्र में बालिका के साथ आरोपी द्वारा यह जघन्य अपराध आरोपी की विकृत मानसिकता को दर्शाता है। ऐसे व्यक्ति का समाज में रहना मानवता के लिए खतरा है। उसे मृत्युदंड से दंडित किया जाना उचित है। यह

**कोर्ट ने कहा - ऐसे व्यक्ति का समाज में रहना उचित नहीं**

मामला विशेष न्यायालय लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम सागर की न्यायाधीश नेहा श्रीवास्तव की कोर्ट में चला। मामले में पैरवी करने वाली विशेष लोक अभियोजक रिपा जैन के अनुसार जैसीनगर थानांतर्गत 8-9 अप्रैल 2024 की दरमियानी रात साढ़े 4 की बच्ची घर से गायब हो गई थी। वह माता-पिता व अपनी बहनों के साथ सो रही थी। जब मां कुछ देर के लिए घर से बाहर गई तभी कोई बच्ची को ले गया। उसे तलाश किया लेकिन नहीं मिली। 10 अप्रैल को बच्ची का शव खेत की मेड़ पर मिला था। मामले में कुटुंब के ही एक संदेही का नाम सामने आया। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की।

## कथावाचक प्रदीप मिश्रा के खिलाफ कोर्ट में याचिका, पुलिस से रिपोर्ट तलब की

### अगली सुनवाई 13 सितंबर को

**सीहोर, दोहपर मेट्रो**

सीहोर जिले में स्थित कुबेरेश्वर धाम वाले पंडित प्रदीप मिश्रा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रदीप मिश्रा व कुबेरेश्वर धाम की विटलेश सेवा समिति के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की गई है। कोर्ट ने इस याचिका पर पुलिस को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मामले में पर कोर्ट में अगली सुनवाई के लिए 13 सितंबर का दिन तय किया है। इंदौर के एक वकील ने ये याचिका दायर की है।

इंदौर के एडवोकेट प्रकाश यादव ने सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में बीते दिनों हुए कार्यक्रम में अव्यवस्था व अलग अलग कारणों से सात लोगों की मौत होने के बाद सीहोर आकर मंडी थाना पुलिस में शिकायत पत्र दिया था। जब शिकायत पत्र पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो एडवोकेट सीहोर जिला न्यायालय में याचिका लगाई। जिसमें पंडित प्रदीप मिश्रा और विटलेश सेवा समिति को विभिन्न धाराओं में आरोपी बनाने की मांग की गई। अब कोर्ट ने मंडी थाना पुलिस को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। और मामले की अगली सुनवाई 13 सितंबर को होगी।

बता दें कि बीते दिनों कुबेरेश्वर धाम में कांवड़ यात्रा व रूद्राक्ष वितरण का कार्यक्रम हुआ था। इन कार्यक्रमों के दौरान अलग अलग कारणों से सात लोगों की मौत हो गई थी। लोगों की भारी भीड़ कुबेरेश्वर धाम में जुटी थी और भारी अव्यवस्थाओं की खबरें भी सामने आई थीं। कांवड़ यात्रा के दौरान इंदौर-भोपाल रोड पर लंबा जाम भी लगा था जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी हुई थी। इस मामले में पुलिस ने मात्र डीजे संचालकों पर मामला दर्ज किया था।

## शिक्षा के साथ संस्कार जरुरी : भार्गव

**गंजबासौदा, दोहपर मेट्रो**

श्रावण माह में संपन्न हुई श्री शिव महापुराण कथा में उपस्थित रहने वाले सभी बच्चों को कथा व्यास पंडित धर्मेन्द्र भार्गव ने तिलक लगाकर, रुद्राक्ष पहनाकर धर्म संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में सभी मंदिरों में रामायण-गीता आदि के माध्यम से सत्संग होता था जिसमें सभी लोग स्वेच्छा से सम्मिलित होते थे । बच्चों को भी साथ लाते थे जिससे बच्चों को संस्कार प्राप्त होते थे। वर्तमान परिवेश में घरों में ग्रंथ तो है पर उनका पठन-पाठन बंद हो गया। मंदिरों में सत्संग भी लुप्त सा हो गया जिससे आने वाली पीढ़ी को संस्कार प्राप्त नहीं हो रहे हैं। इसका परिणाम है बच्चे अवसाद में जा रहे हैं। अपने माता-पिता गुरु का सम्मान नहीं कर रहे। वर्तमान परिवेश में हमें आवश्यकता है कि आने वाली पीढ़ी को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दिए जाएं। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, वार्ड पार्षद ज्योति पिंकू शर्मा, नितिन भाटे,अमित नेमा , प्रवीण तिवारी , नीरज यादव, पंचू सोनी , अर्पित सेन , शिव पाराशर आदि उपस्थित रहे।

**मेट्रो एंकर**

### शिविर में दिव्यांगों को मिली बैटरी ट्राय सायकल

# दिव्यांगजन की सेवा है सच्ची मानव सेवा - उमाकांत

**सिरोंज, दोहपर मेट्रो**

जनपद पंचायत एवं नगरपालिका परिषद क्षेत्रांतर्गत आने वाले दिव्यांगजनो लिए उपकरण वितरण का सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक उमाकांत शर्मा ने शारीरिक एवं मानसिक रूप के 87 दिव्यांगजनों को 178 उपकरणों का वितरण किया। जिसमें 13 हितग्राहियों को बैटरी वाली ट्राइसाइकिल का भी वितरण किया गया। इस दौरान विधायक ने प्रत्येक दिव्यांगजन का पुष्पवर्षा कर सम्मान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि दिव्यांगजनों सेवा करना मानवता की सच्ची सेवा का कार्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकारों न दिव्यांगो के कल्याण के लिए अनेकों योजनाओं के माध्यम से दूरगामी और सकारात्मक कदम उठाए हैं। पहले दिव्यांगो को विकलांग कहा जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री ने उन्हें दिव्यांग कहकर समाज में सम्मान का स्थान दिलाया है। वास्तव में दिव्यांग जन भगवान के समान हैं, उनकी सेवा करना और उनकी मदद करना ईश्वरीय कार्य है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। आज खेलो में भी दिव्यांगो की भूमिका बड़ी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैडल जीतकर अनेक दिव्यांगो ने देश का और अपने परिवार का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण स्तर पर दिव्यांगजनों की वर्तमान भौतिक स्थिति की जानकारी लेते हुए नपा सीएमओ तथा जनपद सीईओ को निर्देशित करते हुए कहा अभियान चलाकर दिव्यांगो को चिन्हित करे तथा उनको विदिशा ले जाकर उनके प्रमाणपत्र बनवाएं ।

शिविर के दौरान वार्ड क्रमांक दस में रहने वाले दिव्यांग अनुज जैन ने प्रमाण पत्र नहीं बन पाने की अपनी परेशानी से विधायक शर्मा को अवगत कराया तो उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को विदिशा जिला अस्पताल ले जाकर पात्रता के प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश प्रदान किए। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं कन्या पूजन के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम का संचालन सचिन शर्मा ने एवं आभार जनपद सीईओ आशीष अग्रवाल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष पुष्पा हमीर सिंह यादव, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाब सिंह कुर्मी, जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव सहित जनपद सदस्य एवं नपा के पार्षदगण तहसीलदार संजय चौरसिया नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं दिव्यांगो के परिजन मौजूद रहे।

## आपदा के समय में केन्द्र और राज्य सरकार प्रभावितों के साथ -सिंधिया

**अशोक नगर।** केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित अशोक नगर जिले की बहादुरपुर तहसील के ग्राम बरखेडा जमाल एवं गोरा का भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्होंने बाढ़ प्रभावितों से संवाद करते हुए कहा कि आपदा के समय में केन्द्र एवं राज्य सरकार प्रभावितों परिवारों के साथ खड़ी है। प्रभावितों को हर संभव राहत राशि एवं सामग्री उपलब्ध कराकर संकट से बाहर निकालना है। साथ ही प्रभावितों को समय पर राहत राशि एवं सामग्री का वितरण शासन एवं प्रशासन के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। सिंधिया ने कहा कि मुंगावली विधानसभा क्षेत्र में अतिवर्षा एवं बाढ़ से हुए नुकसान के लिए प्रभावितों को 50 लाख रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए हर संभव प्रयास किए गए। बाढ़ के समय प्रभावितों को राहत कैंपों में ठहराया जाकर उन्हें भोजन,पानी, राहत सामग्री, स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। हम सभी का एक ही लक्ष्य रहा कि बाढ़ से किसी की जनहानि न हो, इसके लिए हर संभव बचाव के प्रयास किये गये। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा ग्राम बरखेड़ा जमाल में बाढ़ प्रभावित 321 परिवारों को तीन लाख 12 हजार रुपये की राहत राशि तथा ग्राम गोरा में 196 बाढ़ प्रभावितों को 04 लाख 69 हजार रूपये की राशि का वितरण किया गया। केंद्रीय मंत्री ने सांसद निधि से 50 लाख रुपये की राशि से जिला चिकित्सालय को 32 लाख रुपये की अत्यधुनिक सुविधाओं से युक्त एंबुलेंस और सिविल अस्पताल चंदेरी को 18 लाख रुपये की बेसिक लाइफ़ सपोर्ट एंबुलेंस प्रदान की।

### बुरहानपुर की सभी सड़कें हैं बदहाल, लगातार शिकायतों पर भी नहीं जागा प्रशासन

# टूटी सड़कों ने ले ली खंडवा के युवक की जान गणेश प्रतिमा गिरने से दर्दनाक मौत

**सैयद सलीम आलम, बुरहानपुर**

शहर की बदहाल सड़कें आखिरकार एक युवक की मौत का कारण बन गईं। शनिवार रात लालबाग रोड पर भगवान गणेश की 12 फीट ऊँची प्रतिमा सड़क के गड्ढों की वजह से डगमगाई और देखते ही देखते धड़ाम से गिर गई। हादसे में खंडवा निवासी 24 वर्षीय शशांक जोशी की मौके पर ही मौत हो गई। यह प्रतिमा लालबाग स्थित सम्राट मौर्य आर्ट से तैयार होकर खंडवा जिले के नाई आवार जा रही थी। जुलूस जैसे ही तुलसी मॉल के पास पहुँचा, सड़क की खस्ता हालत जानलेवा बन गई । संतुलन बिगड़ते ही प्रतिमा गिर गई और शशांक उसकी चपेट में आ गया। लोगों ने अस्पताल पहुँचाया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

ट्रैक्टर ट्रॉली से ले जाई जा रही गणेश प्रतिमा खराब सड़क के कारण असंतुलित होकर गिर गई। **इनसेट :** मृतक शशांक।

### दो दिन पहले भी गिरी थी प्रतिमा

यह पहला हादसा नहीं। महज़ दो दिन पहले इच्छापुर रोड पर भी गणेश प्रतिमा गिर गई थी। तब लोग बाल-बाल बच गए। लेकिन शनिवार की रात की त्रासदी ने बड़ेसवाल खड़े कर दिए कि आखिर प्रशासन किसका इंतजार कर रहा है।

**बड़े आंदोलन की तैयारी में हैं लोग**

लालबाग रोड समेत शहर की सभी सड़कें जानलेवा बन चुकी हैं। श्रद्धालुओं के त्योहार पर मौत का साया मंडराना प्रशासन की सीधी नाकामी है। शहरवासी अब पूछ रहे हैं की गड्ढों से मौत की जिम्मेदारी कौन लेगा? क्यों बार-बार चेतावनी के बाद भी सड़कें नहीं सुधारी गईं? कितनी और जानें जाएँगी तब जाकर कार्रवाई होगी? ताजा घटना ने साफ कर दिया है कि प्रशासन की लापरवाही अब बर्दाश्त से बाहर है। लोग अब बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं।

**गुस्सा फूटा, प्रशासन पर बरसे लोग**

हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते भीड़ उमड़ पड़ी। गुस्साए लोगों ने कहा - सड़कों पर जानलेवा गड्ढे हैं, प्रशासन आँखें मूँदकर बैठा है। इसकी सीधी जिम्मेदारी महापौर और अधिकारियों की है। हिंदू महासभा ने आरोप लगाया - प्रशासन की लापरवाही ने श्रद्धालु की जान ली है। वहीं कांग्रेस ने कहा कि गड्ढों को लेकर बार-बार चेताया गया, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया। अब जब मौत हो चुकी है तो खानापूर्ति शुरू कर दी गई है।

## वृद्ध महिला को लूटने वाले पकड़ाए दो लाख रुपए की चेन बरामद की

**खरगोन। दोपहर मेट्रो**

रक्षाबंधन मनाने भाई के घर आई वृद्धा के गले से करीब 2 लाख रुपए मूल्य की सोने की चैन खींचने वाले बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ गए है। पुलिस ने 12 अगस्त को हुई इस घटना की गुत्थी सुलझाने में खासी मशक्त की है। करीब 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद धामनोद के आदतन अपराधियों को चिन्हित कर 3 आरोपियों गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 20 ग्राम वजनी सोने की चेन बरामद की गई है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार सेगांव पुलिस चौकी पर 13 अगस्त को नागलवाड़ी क्षेत्र निवासी वृद्ध महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वे अपने भाई के घर राखी पर आई थी। दिनांक 12 अगस्त को जब खरगोन रोड पर बने पुलिया के पास वाले रास्ते से लालबाई-फुलबाई माता मंदिर जा रहे थे, तभी पीछे से एक बाईक पर सवार दो लड़के आये और गले मे पहनी 20 ग्राम वजनी सोने की चैन झपटामार कर ले गए। पुलिस ने सूचना तंत्र व मुखबिरो को सक्रिय करने के साथ ही संभावित रास्तों के लगभग 150 से अधिक सीसीटीही कैमरे खंगाले। फुटेज के आधार अजय पिता अनोखी लाल राठौड़ निवासी धनसिंग कॉलोनी लुनहेरा बुजुर्ग धामनोद, सत्यम सिंधे पिता सुनील सिंधे निवासी कहार मोहल्ला धामनोद एवं मोईन पिता असलम मुंडा निवासी बेगंदा रोड धामनोद को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देना कबूल किया। इनकी निशानदेही पर 2 लाख रुपये मूल्य की चेन और घटना में इस्तेमाल की गई बाईक जब्त की है। तीनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी धामनोद, इंदौर सहित अन्य थानों पर अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

## समस्या निवारण शिविर में विवादित भूमि का सीमांकन करने के निर्देश

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

ग्राम सर्रा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें शासन के समस्त विभागों के लगभग 16 काउंटर लगाए गए थे जिसमें लगभग तीन सौ से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। राज्य मंत्री धमेन्द्र सिंह लोधी व कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर एवं समस्त विभागों के अधिकारियों ने लगभग 110 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया।

सबसे अधिक विस्थापन के संबध में और वन विभाग की भूमि एवं राजस्व विभाग की भूमि से जुड़े मामले आए। शिकायतो में कहा गया कि राजस्व विभाग की भूमि को वन विभाग की भूमि बताकर किसानों को परेशान किया जा रहा है। जिसके संबध में कलेक्टर ने एक समिति बनाकर सभी विवादित जमीनों का सीमांकन कराने के आदेश दिए। खाद्यान्न पर्ची, बाढ़ प्रभावित मुआवजा राशि, वृद्धा पेंशन जैसी विभिन्न समस्याओं के आवेदन दिए गए।

इस दौरान मंत्री श्री लोधी ने कहा कि बाढ़ के। मैंनें कहा था कि आने वाले समय में बड़े शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिससे आप सभी की समस्याओं का निराकरण हो सकेगा और आज शिविर के माध्यम से विभिन्न समस्याओं के निराकरण किये गये है। हमने तय किया है कि हर माह शिविर का आयोजन किया जाएगा

जिससे लोगों को तेंदूखेड़ा और दमोह जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। क्षेत्र के लोगों को कोई दिक्कत ना हो जिसके लिए मैं निरंतर कार्य कर रहा हूं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार विभिन्न योजनाओं को लेकर कार्य कर रही है। जबेरा विधानसभा के ग्रामों में जब बाढ़ आई तो तुरंत ही मदद की गई। शीघ्र ही मुख्यमंत्री के द्वारा राशि भेजी गई जिससे आठ दिन के पश्चात मुआवजा राशि प्रदान की गई। मुझे लगता है कि यह पहली बार है कि इतनी जल्दी राशि वितरित हुई है।

इस दौरान एसडीएम सौरभ गंधर्व, तहसीलदार विवेक व्यास, नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी, जनपद, एसडीओपी, डीएस ठाकुर, थाना प्रभारी नीतेश जैन, सहायक यंत्री एसके राज्य राज, रोहित यादव, महिलाबाल विकास अधिकारी कैलाश राय आदि मौजूद थे।

## नाबालिग से गैंगरेप, दरिंदों ने वीडियो भी बनाया

**दतिया। दोपहर मेट्रो**

एक नाबालिग के साथ गैंगरेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना दतिया जिले की है जहां 16 साल की नाबालिग लड़की के साथ पांच दरिंदों ने हैवानियत की। बीती देर रात पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। एक आरोपी को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले भी किया है, चार अन्य अभी फरार हैं जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया है कि वो अपने दो साथियों के साथ उडनू की टोरिया मंदिर पर दर्शन करने के लिए गई थी। वहां पहले से कुछ लोग मौजूद थे और जब वो अपने साथियों के साथ मंदिर से दर्शन कर लौट रही थी तभी आरोपियों ने उनका रास्ता रोका और तीनों को डराया धमकाया। इसके बाद आरोपियों ने उनके साथियों को पकड़ लिया और उसके साथ गैंगरेप किया। इस दौरान आरोपियों ने नाबालिग के साथ आए दोस्तों पर भी रेप करने का दबाव बनाया। आरोपियों ने नाबालिग के साथ रेप करते हुए वीडियो भी बनाया है।

जिस वक्त दरिंदे इस घिनौनी हरकत को अंजाम दे रहे थे तभी कुछ लोग वहां पर आ गए और एक आरोपी जिसका नाम हरगोविंद पाल बनाया जा रहा है उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घटना को लेकर नाबालिग के परिजन व ग्रामीणों ने थाने का घेराव कर हंगामा भी किया। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों देव, सचिन, हरगोविंद पाल, करण यादव एवं पंकज यादव पर मामला दर्ज किया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

## सार्वजनिक शौचालय में मिला नवजात शिशु का शव

**सागर। दोपहर मेट्रो**

सार्वजनिक शौचालय में एक नवजात शिशु का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी है। मिली जानकारी के अनुसार मोतीनगर चौराहे के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय में नवजात का शव देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। शव बच्ची का था उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया । मोतीनगर थाना पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि सूचना मिली थी कि मोतीनगर चौराहे के पास बाथरूम में नवजात का शव पड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

## छात्रावास में एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण

**तेंदूखेड़ा।** केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रदेश भर में पौधारोपण किया जा रहा है। इसी तरह पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जबलपुर मार्ग पर स्थित शासकीय आदिवासी महाविद्यालय बालक छात्रावास व शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जहां छात्रावासों के अधीक्षकों व बच्चों ने छात्रावास परिसर में 35 पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अधीक्षक मनीष झारिया ने कहा कि एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल है। लोगों में इस अभियान को लेकर खासा उत्साह है। आने वाली पीढ़ी को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अनिवार्य रूप से लगाना चाहिए।

अधीक्षक सोने सिंह ठाकुर ने कहा कि मां के नाम पेड़ लगाने से अपनी मां का सम्मान तो होगा ही साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी। साथ ही प्रकृति के पोषण के लिए धरती मां और मानव जीवन के लिए पौधारोपण सबसे ज्यादा जरूरी है।

## गोटमार मेले के खूनी संघर्ष में 500 घायल

**पांढुर्णा।** जिले में भारी पुलिस बल के सामने जमकर पथराव हुआ और दो गांवों के लोगों में चली पत्थरबाजी में 500 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। कई गंभीर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 300 सालों से लगातार यहां खूनी खेल खेला जा रहा है।

पांढुर्ना में सालों से चली आ रही परंपरा के तहत गोटमार मेला विश्व प्रसिद्ध है। दो गांवों में पथराव का खेल यहां खेला जाता है। गाठ दिवस भी 500 से अधिक लोगों के घायल होने के समाचार है। सुबह 10 बजे से जाम नदी के तट पर खूनी खेल खेला गया जो शाम तक चला । पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी में पांढुर्ना और सांवरगांव के लोगों ने एक-दूसरे पर पत्थर बरसाए। घायलों के लिए अस्थाई स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए हैं थे जहां चोटिल लोगों को इलाज के लिए लाया गया। 11 सदस्यीय चिकित्सा दल तैनात है को तैनात किया गया था। इनमें चार डॉक्टर, 4 ड्रेसर और दो-दो वार्ड ब्वॉय के साथ दवाओं की पूर्ति और एंबुलेंस के लिए एक सीएचओ की ड्यूटी लगाई गई । पूरे गोटमार मेले में घायलों का इलाज कराने सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्ना के 45 डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है।

## चुनाव के लिए बी.एल.ओ को दिया प्रशिक्षण

**बुरहानपुर।** राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार बीएलओ के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।इंदिरा कॉलोनी स्थित स्व परमानंद प्रशिक्षण के बाद बीएलओ को मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए आवश्यक सामग्री वितरित की गईं। प्रशिक्षण में सभी बीएलओ सुपरवाइजर उपस्थित रहे। बुरहानपुर एस.डी.एम अजमेर सिंह गौड़ द्वारा सभी बीएलओ को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर दीपक शाह आशीष पटेल द्वारा दिया गया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त रितेश पाटीदार, ट्रेनर दीपक शाह, नगर निगम निर्वाचन प्रभारी अधिकारी संतोष दलाल,प्रकाश निंभोरे,गंगा बैरागी एवंआंगनवाड़ी कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे।

## श्रीकृष्ण - रुक्मिणी विवाह प्रेम-भक्ति का संगम

**तेंदूखेड़ा।** जनपद पंचायत के अंतर्गत अजीतपुर खमरिया में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन पं उमाशंकर शास्त्री ने भगवान श्री कृष्ण व माता रूकमिणी विवाह का वर्णन मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि रुक्मिणी विवाह की कथा केवल एक प्रेम कथा नहीं, बल्कि यह भक्ति, श्रद्धा और परमात्मा के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। विदर्भनंदिनी रुक्मिणी जी ने श्रीकृष्ण को ही अपना पति स्वीकार किया और संदेशवाहक ब्राह्मण के माध्यम से श्रीकृष्ण को पत्र भेजा। जब रुक्मिणी का अपहरण कर श्रीकृष्ण उन्हें रथ में बिठाकर ले गए और चतुर्मुख ब्रह्मा तथा अन्य देवताओं की उपस्थिति में विधिपूर्वक विवाह संपन्न हुआ, तो पूरा ब्रह्मांड आनंदमय हो उठा। कथा वाचकने कहा कि यह प्रसंग हमें यह सिखाता है कि यदि भक्ति सच्ची हो, तो भगवान स्वयं अपने भक्तों के लिए सभी सीमाएं तोड़ देते हैं। रुक्मिणी जी का आत्मसमर्पण, उनका धैर्य और श्रीकृष्ण की लीला आज भी भक्तों के हृदय को छू जाती है। इस अवसर पर श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, और भजन-कीर्तन से संपूर्ण वातावरण कृष्णमय हो गया। कथा के उपरांत रुक्मिणी विवाह की झांकी का सुंदर आयोजन भी किया गया, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कथा व्यास ने कहा कि पुण्य सफल होने पर श्रीमद् भागवत कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त होता है।

**मेट्रो एंकर** जारी हैं सिंहस्थ 2028 की तैयारियां

# काल भैरव मंदिर के लिए 163 करोड़ की एप्रोच रोड बनेगी, पार्किंग और धर्मशाला भी

**उज्जैन। दोपहर मेट्रो**

उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ 2028 को लेकर तैयारियां जोरों से चल रही हैं। इसी क्रम में काल भैरव मंदिर के आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को समाहित कर मंदिर कॉम्प्लेक्स के उन्नयन की योजना बनाई गई है। 163 करोड़ रुपए की इस योजना में मंदिर के लिए एक नई अप्रोच रोड प्रस्तावित की गई है। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तीन पार्किंग, एक धर्मशाला व फेसिलिटी सेंटर भी बनेगा।

सीएस संजय दुबे की बैठक में प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया गया है। गत दिनों श्री दुबे ने सिंहस्थ कार्यों का निरीक्षण कर समीक्षा बैठक ली थी । इसमें कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ आध्यात्मिक सिटी, श्री कालभैरव मंदिर कॉम्प्लेक्स, निकास चौराहे से इंदौर गेट तक एलिवेटेड ब्रिज मकोडियाआम से नीलगंगा तक एलिवेटेड ब्रिज निर्माण प्रोजेक्ट की कार्ययोजना प्रस्तुत की। उक्त सभी प्रोजेक्ट्स को मुख्य सचिव की बैठक में कार्य स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करने का अनुमोदन किया गया। दुबे ने निर्देश दिए, श्री कालभैरव मंदिर उन्नयन की कार्ययोजना में प्रांगण में पौधरोपण को शामिल करें ताकि गर्मी में फर्श कम गर्म हो और श्रद्धालुओं को परेशानी न हो।उन्होंने कहा, सिंहस्थ कार्यों में राशि में कोई कमी नहीं रहेगी, लेकिन सभी अधिकारी कार्य लक्ष्यानुसार समयावधि में अनिवार्य रूप से पूर्ण करवाए।

सीवरेज और पेयजल प्रदाय के कार्य करने वाले अपने कार्यों पर विशेष ध्यान दें। बैठक में मेला अधिकारी आशीष सिंह भी थे। दुबे ने क्वालिटी ऑफ लाइफ बढ़ाने के लिए नदी से जुड़ाव के लिए साइकिल पाथवे, पैदल मार्ग और पौधरोपण करने के निर्देश दिए।


**मध्यप्रदेश शासन, लोक निर्माण विभाग संधारण संभाग क्रमांक-1, शेड क्र.-7 जवाहर चौक भोपाल**

**निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-53, 54, 55/2025-26** **दिनांक - 20.08.2025**

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु मोहरबंद निविदाएं प्रपत्र 2.10 में आमंत्रित की जाती हैं। प्रपत्र में दर्शाए गए कार्यालय में निविदाए स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। विभाग पोस्टल विलंब के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

| क्रं. | कार्य का नाम | निविदा प्रपत्र की राशि रू. | 1. ठेके की अनुमानित राशि रू. 2. अमानत राशि रू. | कोरे निविदा प्रपत्र विक्रय का समय एवं अंतिम दि. | 1. निविदा प्राप्ति का दिनांक 2. कार्यालय | 1. निविदा खोलने का दिनांक 2. कार्यालय | 1. कार्य पूर्ण करने की अवधि 2. ठेकेदार की श्रेणी 3. आमंत्रण क्र.- |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | लोनिवि. संधारण संभाग क्र.-1 भोपाल के अंतर्गत मुख्यमंत्री निवास एवं अन्य मंत्री बंगलों में डोरमैट प्रदाय एवं लगाने का कार्य | रू. 2000/- | 1. 9,70,300/- (रू. नौ लाख सत्तर हजार तीन सौ) मात्र 2. 19406/- | 1. 28.08.2025 सायं 5.30 तक | 1. 04.09.2025 2. कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संधारण संभाग क्र.-1 भोपाल | 1. 08.09.2025 2. कार्यपालन यंत्री लो. नि.वि. संधारण संभाग क्र.-1 भोपाल | 1. 06 माह 2. केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली 3. प्रथम आमंत्रण |
| 2. | लोनिवि. संधारण संभाग क्र.-1 भोपाल के अंतर्गत सभी मंत्री बंगलों हेतु वुडन सोफा सेट मरम्मत का कार्य। | रू. 2000/- | 1. 9,97,900/- (रू. नौ लाख सन्तानवे हजार नौ सौ) मात्र 2.19958/- | 1. 28.08.2025 सायं 5.30 तक | 1. 04.09.2025 2. कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संधारण संभाग क्र.-1 भोपाल | 1. 08.09.2025 2. कार्यपालन यंत्री लो. नि.वि. संधारण संभाग क्र.-1 भोपाल | 1. 06 माह 2. केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली 3. प्रथम आमंत्रण |
| 3. | लोनिवि. संधारण संभाग क्र.-1 भोपाल के अंतर्गत मुख्यमंत्री निवास एवं अन्य मंत्री बंगलों में ऑर्टिफिसियल ग्रीन लॉन एवं फाईन यार्न ग्रास 40 एमएम. एवं डोरमैट प्रदाय एवं लगाने का कार्य | रू. 2000/- | 1. 9,99,200/- (रू. नौ लाख निन्यानवे हजार दो सौ) मात्र 2.19984/- | 1. 28.08.2025 सायं 5.30 तक | 1. 04.09.2025 2. कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संधारण संभाग क्र.-1 भोपाल | 1. 08.09.2025 2. कार्यपालन यंत्री लो. नि.वि. संधारण संभाग क्र.-1 भोपाल | 1. 06 माह 2. केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली 3. प्रथम आमंत्रण |

**टीप:-** 1. कोरे निविदा प्रपत्र निर्धारित राशि के भुगतान कर कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संधारण संभाग क्रमांक-1 भोपाल से कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जा सकते है। उक्त राशि वापसी योग्य नहीं है।
2. निविदा प्रपत्र क्रय के लिए निम्न लिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है, यदि निर्धारित दस्तावेज ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो निविदा प्रपत्र उन्हें नहीं दिया जावेगा।
(i) उचित श्रेणी में पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति। फर्म होने की दशा में साझेदारी डीड एवं पावर ऑफ अटार्नी की प्रति।
(ii) पैन कार्ड, जी.एस.टी. पंजीयन नं. की छायाप्रति। (iii) नो रिलेशनशिप प्रमाण पत्र।

G-17601/25

**कार्यपालन यंत्री**
**लोक निर्माण विभाग संधारण संभाग क्र-1 भोपाल**
**फोन-0755-2777485**

## खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025: टॉप पर मप्र, ओडिशा-केरल के साई एथलीट्स चमके



**श्रीनगर ।** मध्य प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए शनिवार को डल झील में संपन्न हुए पहले %खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल% की प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय खेल प्राधिकरण के जाटपुर और अलपुझा सेंटर्स में ट्रेनिंग लेने वाले एथलीट्स के योगदान के चलते ओडिशा और केरल टॉप-3 स्थान में रहे। मध्य प्रदेश ने दूसरे दिन दांव पर लगे कयाकिंग और कैनोइंग के सभी चार गोल्ड मेडल अपने नाम किए थे। मध्य प्रदेश ने शनिवार को अंतिम दिन छह और गोल्ड जीतकर कुल 18 मेडल्स के साथ टीम चैंपियनशिप जीत ली। इसमें तीन सिल्वर और पांच ब्रॉन्ज शामिल थे। वाटर गेम्स में 24 गोल्ड पदक दांव पर थे। कयाकिंग और कैनोइंग में 14 और रोइंग में 10 गोल्ड पदक थे। ओडिशा और केरल को जगतपुर और अलप्पुझा में साई ट्रेनिंग सेंटर्स से लाभ हुआ। सभी 21 खेलो इंडिया एथलीट्स नौकायन से थे, उन्होंने खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में हिस्सा लिया। इन खिलाड़ियों ने 10 नौकायन स्पर्धाओं में दो गोल्ड, दो सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज जीते। पांच साई सेंटर्स में ट्रेनिंग लेने वाले कयाकिंग और कैनोइस्ट का प्रदर्शन भी शानदार रहा। 47 साई एथलीटों ने पांच गोल्ड, सात सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज पदक जीते। जगतपुर तीन गोल्ड और पांच सिल्वर के साथ सर्वश्रेष्ठ रहा। ओडिशा की रस्मिता साहू दो गोल्ड पदक के साथ एक उत्कृष्ट एथलीट रहीं। बतौर मेजबान जम्मू और कश्मीर का प्रदर्शन शानदार रहा। मोहसिन अली ने 1000 मीटर पुरुष कयाकिंग में खेलों का पहला गोल्ड जीता। डल झील स्थित नेहरू पार्क केंद्र में साई के कोच जुल्फकार अली भट के अधीन ट्रेनिंग ले रहे दो अन्य युवा खिलाड़ियों सज्जाद हुसैन और मुहम्मद हुसैन ने भी एक-एक मेडल अपने नाम किया।

### एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप

# अर्जुन बबूता चमके 10 मीटर एयर राइफल्स में लगाया गोल्ड पर निशाना

**नई दिल्ली , एजेंसी**

कजाकिस्तान के श्यामकेंट में चल रही 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में शनिवार का दिन भारत के लिए बेहद खास रहा। अर्जुन बाबूता और इलावेनिल वालारिवन ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

रोमांचक फाइनल में अर्जुन बाबूता और इलावेनिल वालारिवन की जोड़ी ने चीन की डिंगके लू और शिनलू पेंग को 17-11 से हराया। यह जीत शुरुआती राउंड में पिछड़ने के बाद मिली। शुरुआत में 9.5 और 10.1 के स्कोर के साथ, भारतीय जोड़ी अनिश्चित दिख रही थी, लेकिन उन्होंने संयम बनाए रखा और बाद के चरणों में सटीक निशानेबाजी का बेजोड़ प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। इलावेनिल वालारिवन के लिए चैंपियनशिप का दूसरा स्वर्ण पदक था। उन्होंने शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता था। उस प्रतियोगिता में, उन्होंने 253.6 अंक हासिल किए और चीन की पेंग शिनलू (253.0) और कोरिया की क्वोन यूंजी (231.2) को मामूली अंतर से पछाड़ते हुए पहली बार महाद्वीपीय चैंपियन बनीं।

#### देश के लिए ये भी जीत चुके हैं स्वर्ण

इलावेनिल ने टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इस टूर्नामेंट में भी उन्होंने दबाव में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की अपनी क्षमता दिखाई है, जिससे एशिया की प्रमुख निशानेबाजों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई है। श्यामकेंट में भारत का दबदबा इलावेनिल और बाबूता तक ही सीमित नहीं है। इससे पहले चैंपियनशिप में, अर्जुन बाबूता, रुद्राक्ष पाटिल और किरण जाधव की पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम ने टीम स्वर्ण पदक जीता था। इस बीच महिला टीम प्रतियोगिता में इलावेनिल ने मेहुली घोष और अनन्या नायडू के साथ मिलकर कांस्य पदक हासिल किया। मेहुली घोष ने महिलाओं की व्यक्तिगत 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में भी भाग लिया और चौथे स्थान पर रहीं।

### ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में शुरू की प्रैक्टिस

# विराट कोहली धमाकेदार वापसी करने को तैयार, इंग्लैंड दौरे का बन सकते हैं हिस्सा

**नई दिल्ली , एजेंसी**

**टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली इस समय इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं। कोहली इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए मैदान पर दिखे थे। तब आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार आईपीएल खिताब जीता। कोहली ने आईपीएल के बीच ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके चलते किंग कोहली इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा नहीं बन सके।**

अब विराट कोहली के इस साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में भाग लेने की पूरी संभावना है। कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए तैयारियों में जुट चुके हैं। कोहली इन दिनों लंदन के लॉर्ड्स क्रिकट ग्राउं में जमकर अभ्यास कर रहे हैं। विराट कोहली ने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड के बाहर फैन्स के साथ तस्वीरें भी क्लिक कराईं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 19 अक्टूबर को पर्थ में होगा। फिर दोनों टीमों के बीच 23 अक्टूबर (एडिलेड) और 25 अक्टूबर (सिडनी) को बाकी के दो ओडीआई मुकाबले होंगे।



#### कोहली-रोहित को लेकर बीसीसीआई ने क्या कहा?

हालिया समय में विराट कोहली और रोहित शर्मा के वनडे क्रिकेट से रिटायरमेंट को लेकर भी अटकलें लगी हैं, लेकिन भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने इन खबरों को खारिज कर दिया। बीसीसीआई का मानना है कि खिलाड़ी को खुद ही अपने फ्यूचर को लेकर फैसला करना होता है, बोर्ड किसी खिलाड़ी को जबरन रिटायर होने के लिए कभी नहीं कहता। इसी बीच आरसीबी के के युवा बल्लेबाज स्वास्तिक चिकारा ने विराट कोहली से हुई बातचीत को फैन्स के साथ शेयर किया है। चिकारा ने कहा, विराट भैया ने मुझसे कहा कि वो जब तक पूरी तरह फिट हैं, तब तक क्रिकेट खेलेंगे। वो इम्पैक्ट प्लेयर बनकर नहीं खेलेंगे। वो पूरे 20 ओवर फील्डिंग करेंगे और फिर बल्लेबाजी करने उतरेंगे। जिस दिन उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर बनकर खेलना पड़ा, उसी दिन वो क्रिकेट छोड़ देंगे। विराट कोहली 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक भारतीय टीम के लिए खेलते नजर आ सकते हैं। इस वर्ल्ड कप में अब भी दो साल से ज्यादा का समय बचा है। ऐसे में विराट कोहली को अपनी फिटनेस और फॉर्म बनाए रखनी होगी क्योंकि युवा खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन करके टीम में जगह बनाने की कोशिश में हैं।

#### श्रेयस अय्यर का एशिया कप टीम में न होना बेहद चौंकाने वाला: संजय मांजरेकर

**नई दिल्ली ।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने एशिया कप के लिए चुनी गई टीम पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर रखने के फैसले की आलोचना करते हुए इसे बेहद चौंकाने वाला फैसला बताया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में मांजरेकर ने कहा,मैंने पिछले कई सालों से चयनकर्ताओं की यह प्रवृत्ति देखी कि किसी खिलाड़ी को एक फॉर्मेट के प्रदर्शन के आधार पर चुन लिया जाता है और फिर उसे दूसरे फॉर्मेट में भी जगह दे दी जाती है। जब मैं देखता हूं कि किसी खिलाड़ी को टेस्ट प्रदर्शन के चलते टी20 टीम में शामिल कर लिया जाता है, तो मुझे यह बिल्कुल भी क्रिकेटिंग तर्क से मेल खाता नजर नहीं आता। उन्होंने आगे कहा, 卐श्रेयस अय्यर का एशिया कप के लिए भारत की टी20 टीम में जगह न बना पाना वाकई चौंकाने वाला है। यह वही खिलाड़ी है, जिसे सही वजह से भारतीय टीम से बाहर किया गया था।

### इमरान ताहिर ने बनाया विश्व रिकॉर्ड



# टी20 में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बने

**नई दिल्ली ।** सीपीएल 2025 में शनिवार को गुयाना अमेजन वॉरियर्स और एंटीगुआ और बरबुडा फॉल्कंस के बीच खेला गया। कप्तान इमरान ताहिर की खतरनाक गेंदबाजी के दम पर गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने जीत दर्ज दर्ज ली। वहीं, इमरान ताहिर ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह टी20 के इतिहास में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बन गए।

इमरान ताहिर ने एंटीगुआ और बरबुडा फॉल्कंस के साथ हुए मैच में 4 ओवर में 1 मेडन फेंकते हुए सिर्फ 22 रन देकर 5 विकेट लिए। वह टी20 इतिहास में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बन गए हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड मलावी के मोअज्जम अली बेग के नाम था। सितंबर 2004 में उन्होंने कैमरून के खिलाफ 22 रन देकर 5 विकेट लिए थे। वहीं, टी20 के इतिहास में पांच विकेट लेने वाले इमरान दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। 46 साल 149 दिन की उम्र में उन्होंने एंटीगुआ के खिलाफ पांच विकेट लिए। कूक आइलैंड के खिलाड़ी तोमाकानुटे रीतावा ने 46 साल 299 दिन की उम्र में 2022 में फीजी के खिलाफ 19 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

**मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना**



# जीनत अमान किसी फैशनिस्ट से कम नहीं, फोटो शेयर कर फैंस को दिया चैलेंज

70-80 के दशक की अभिनेत्री जीनत अमान की गिनती उस दौर की सबसे अधिक कमाई करने वाली एक्ट्रेस में होती थी। यही नहीं, वह अपने दौर की फैशन आइकन भी थीं। उनका ये स्वैग अब भी कम नहीं हुआ है। इसकी बानगी है जीनत अमान की लेटेस्ट पोस्ट। इसमें 73 साल की जीनत अमान किसी टॉप की मॉडल की तरह अलग-अलग फैशन को कैरी करती दिख रही हैं। पोस्ट में उन्होंने फैंस को एक चैलेंज भी दिया है।

इस पोस्ट को इंस्टाग्राम पर उन्होंने शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि शुक्रवार के लिए एक फैशन एडिट। मुझे लगता है कि सभी टेस्ट शूट्स में हम सैकड़ों तस्वीरें लेते हैं और फिर सिर्फ एक या दो ही ऑनलाइन पोस्ट करते हैं, यह बहुत ही बेकार है। तो पेश हैं पिछले कुछ सालों में तान्या अग्रवाल के साथ किए गए टेस्ट शूट्स के मेरे पसंदीदा लुक्स।

एक्ट्रेस ने आगे लिखा, बूढ़ा होने का मतलब बिल्कुल भी भद्दा नहीं होता और फैशन हर उम्र के लिए होता है। आपके बच्चों के पास ÷स्वैग÷ हो सकता है, लेकिन आज मैं सीनियर स्टाइल देखना चाहती हूं। अगर आपकी कोई चाची हैं जो आइकॉनिक आउटफिट्स में जिंदगी गुजारती हैं, कोई दादा जिनकी बॉलर हैट मशहूर है, कोई मां जिनकी साड़ियां शहर में चर्चा का विषय बन जाती हैं, तो उनकी एक तस्वीर अपनी स्टोरीज में पोस्ट करें और मुझे टैग करें। उनके लुक्स का आनंद लेना और अपने पसंदीदा लुक्स को फिर से पोस्ट करना बहुत अच्छा होगा।

# दूसरी बार मां बनने जा रहीं गौहर खान, पति जैद ने जन्मदिन पर दिया प्यार भरा तोहफा

**मुंबई टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस गौहर खान दूसरी बार मां बनने वाली हैं। वह शनिवार को अपना 42वां जन्मदिन मनाया। इस खास दिन पर उनके पति जैद दरबार ने एक बेहद प्यारा और दिल छू लेने वाला सरप्राइज दिया। इस सरप्राइज का वीडियो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया, जिसे देखकर फैंस भी इमोशनल हो गए।**



वीडियो में जैद ने गौहर के लिए एक खूबसूरत टेबल सजाई थी, जिस पर दो केक रखे थे। लेकिन सबसे खास बात थी जैद का गौहर के लिए लिखा खत, जिसे उन्होंने अपने हाथ से लिखा था। इस खत में जैद ने अपने दिल की सारी भावनाएं और जज्बात गौहर के लिए खुले दिल से लिखे। खत पढ़ते हुए गौहर भावुक हो गईं और उन्होंने जैद को गले लगाते हुए प्यार से कहा, आई लव यू। वीडियो के आखिर में दोनों साथ में केक काटते हुए जन्मदिन सेलिब्रेट करते नजर आए। जैद ने अपने पोस्ट में लिखा, मेरी जानू, जन्मदिन मुबारक हो। हर साल मैं सोचता हूं कि मैं कितना भाग्यशाली हूं, और इस साल और भी ज्यादा शुक्रगुजार हूं। तुम सिर्फ मेरी पत्नी नहीं, बल्कि हमारे बेटे जिहान की सबसे अद्भुत मां हो। और जल्द ही हमारे परिवार में एक और नन्हा मेहमान आने वाला है। तुम्हारा हर काम प्यार और साहस के साथ करना मुझे और भी ज्यादा तुम्हारी तारीफ करने पर मजबूर करता है। जैद ने आगे लिखा, मुझे पता है कि ये हमेशा आसान नहीं होता, रातों की नींद कम होना, त्याग करना और सबकी देखभाल करना। लेकिन मैं ये सब देखता हूं और चाहता हूं कि तुम हमेशा जानो कि तुम मेरे, जिहान के और हमारे पूरे परिवार के लिए कितनी अहम हो। गौहर ने भी इस प्यार भरे सरप्राइज पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा, जिंदगी के सबसे अच्छे पल बेहद साधारण होते हैं। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत समझती हूं कि मुझे सबसे अच्छा पति मिला। मैं तुमसे प्यार करती हूं। जन्मदिन की इस खुशी में गौहर के करीबी दोस्त भी शामिल हुए।

### मिस्ट्री प्रोजेक्ट अलर्ट

# मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने खचाखच भरे फिल्म सेट से दिया हिंट



**अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच, मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने एक नई बीटीएस (बिहाइंड-द-सीन्स) झलक साझा कर फैंस को उत्साहित कर दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें एक विशाल प्रोडक्शन सेट दिखाई दे रहा है, जहां भारी लाइटिंग रिग्स, जटिल वेंटिलेशन सिस्टम और क्रू मेंबर्स की भीड़ मौजूद है, जो किसी बड़े प्रोजेक्ट की ओर इशारा कर रहा है।**

तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा- यह एक हाउसफुल है जिससे यह साफ है कि यह एक मज़ेदार टीज़र है जो लोगों की जिज्ञासा को और बढ़ा रहा है। साल 2025 में मालिक और तेहरान जैसी फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाकर मानुषी ने दर्शकों का ध्यान खींचा और सराहना भी बटोरी। अब तक उन्होंने जो प्रोजेक्ट्स चुने हैं, वे अलग-अलग जॉनर में रहे हैं—ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि उनका अगला प्रोजेक्ट भी कुछ अनोखा होगा।

*क्या वह किसी हाई-कॉन्सेप्ट वेब सीरीज़ का हिस्सा हैं? या फिर किसी पीरियड ड्रामा में नज़र आने वाली हैं जिसमें एक बड़ा स्टारकास्ट हो? या शायद कोई हाई-एंड फैशन कमर्शियल जिसमें सिनेमा जैसा फील हो? बैकग्राउंड में नजर आने वाला विंटेज स्टाइल सेट और विशाल स्केल का प्रोडक्शन किसी म्यूज़िक वीडियो या इंटरनेशनल कोलैबरेशन की ओर भी इशारा कर सकता है। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, इसलिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और फैन फोरम्स पर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। चाहे यह फिल्म हो या किसी लग्ज़री ब्रांड का एंडोर्समेंट, एक बात तो तय है—मानुषी छिल्लर अपने फैंस को कयास लगाने पर मजबूर करना अच्छे से जानती हैं। जब तक इस रहस्यमयी प्रोजेक्ट से पर्दा नहीं उठता, तब तक सभी की नजरें उनके सोशल मीडिया और हर BTS हिंट पर टिकी रहेंगी।*

### चोरी के माल का बंटवारा करते धरे गए, विदिशा के मंदिर में भी की चोरी

# धार्मिक स्थलों व सूने मकानों को निशाना बनाने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

**शाहपुरा पुलिस ने धार्मिक स्थलों व सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने भोपाल व विदिशा के चार धार्मिक स्थलों के अलावा एक सूने मकान को भी निशाना बनाया था। पुलिस ने तीन दोपहिया वाहन व धार्मिक स्थलों व सूने मकान से चोरी किया माल समेत चार लाख का मशरूका बरामद किया है।**

4 लाख का माल बरामद

पुलिस के मुताबिक रोहित नगर फेस टू शाहपुरा निवासी भागवत प्रसाद गुप्ता (65) ने विगत चार अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि अज्ञात चोर दुर्गा मंदिर के चैनल गेट का ताला तोडक़र दानपेटी और सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर मशीन चुरा ले गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। घटनास्थल के आसपास मकानों व रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए गए। फुटेज से मिले हुलिए के आधार पर मुखबिर भी सक्रिय कर दिए गए। शुक्रवार 22 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली कि दुर्गा मंदिर में हुई चोरी के मामले में फुटेज से मिलते-जुलते हुलिए के व्यक्तिदाना-पानी वाली फार्म हाउस गड्ढे वाली झुग्गी के पीछे खड़े हैं और आपस में जेवरातों का बंटवारा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम रेहान उर्फ शोएब (35) निवासी कबीटपुरा थाना टीला जमालपुरा और अमीन खान (29) निवासी ग्राम बगरोदा थाना कटारा हिल्स का होना बताया। सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों ने तीन-चार अगस्त की दरमियानी रात दुर्गा मंदिर में चोरी करना कुबूल कर लिया। आरोपियों ने बताया कि दानपेटी में से करीब 20 हजार रुपए निकले थे। उसमें से 15-.6 हजार दोनों ने खाने-पीने और कपड़े खरीदने में खर्च कर दिए। उनके पास 3500 रुपए के नोट व 500 रुपए के सिक्के बचे थे। उन्हीं का आपस में बंटवारा कर रहे थे।

## तीन वाहन समेत 4 लाख का मशरूका बरामद

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने 25 जुलाई की रात पल्लवी नगर बावड़िया कला शाहपुरा स्थित शिव दुर्गा मंदिर का ताला तोड़कर वहां से चांदी के आभूषण, तांबे के नाग व दानपेटी तोड़कर नगद रुपए चोरी किए थे। वहीं 12 अगस्त की रात ईटखेड़ी ग्राम जगदीशपुरा के राम जानकी हनुमान मंदिर का ताला तोडक़र चांदी का छत्र व चांदी का चूहा और दानपेटी चुरा ले गए थे। रातीबड़ क्षेत्र में 14 अगस्त की रात एक मकान का ताला तोडक़र एक एक्टिवा गाड़ी और अन्य मशरूका चोरी किया। बदमाशों ने 17 अगस्त की रात विदिशा पहुंचकर भगवती सिंह कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर का ताला तोडक़र चांदी का मुकुट, दानपेटी और पास के मकान पर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी कर ली थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की वादात में इस्तेमाल की जाने वाली मोटरसाइकिल समेत तीन गाड़ियां व मंदिरों से चोरी सामान जब्त किया है।

## पानी की मोटर सुधारते समय करंट से इलेक्ट्रिशियन की मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित जेबीएन स्कूल में शनिवार दोपहर इलेक्ट्रिशियन की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के समय वह स्कूल की पानी की मोटर में आए फाल्ट को सुधार रहे थे, तभी करंट का तगड़ा झटका लगा था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार अरविंद वर्मा (55) कृष्णा कांप्लेक्स, ऐशबाग में रहते थे। वह जेबीएन स्कूल में इलेक्ट्रिशियन का काम करते थे। शनिवार सुबह वह स्कूल में थे। स्कूल की पानी की मोटर बिगड़ गई थी और वह दोपहर करीब बारह मोटर सुधारने का प्रयासा कर रहे थे। इसी बीच उन्हें करंट का तगड़ा झटका लगा और बेसुध हो गए। स्कूल का स्टाफ उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया।

# दोस्ती नहीं करने पर महिला का अश्लील वीडियो वायरल करने वाले पर प्रकरण दर्ज

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

दोस्ती नहीं करने पर एक महिला का अश्लील वीडियो वायरल कर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला तीन बच्चों की मां है। अज्ञात आरोपी ने व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर महिला के परिजनों को उसमें जोड़ा और अश्लील वीडियो पोस्ट कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर नंबर के आधार पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी की खोजबीन शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 27 साल की महिला इलाके में रहती है। उसके तीन बच्चें है और पति मजदूरी करता है। महिला करीब चार साल पहले एक केटरिंग में काम करती थी। उस समय उसे एक युवक का मोबाइल नंबर दिया गया था, लेकिन उसने संपर्क नहीं किया। करीब दो महीने पहले उसी नंबर से अचानक महिला को वीडियो कॉल आया। उस समय महिला नहा रही थी और उसके

बच्चे ने कॉल रिसीव कर फ्रंट कैमरा ऑन कर दिया। आरोपी युवक ने इसी दौरान उसका अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद आरोपी लगातार महिला पर दोस्ती और प्रेम-संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। इंकार करने पर उसने दो दिन पहले व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर महिला का वीडियो वायरल कर दिया। ग्रुप में महिला के परिजन भी शामिल थे। तंग आकर पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

## लिव इन रिलेशन में रह रही युवती ने फांसी लगाकर दी जान

**भोपाल।** शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित शाहपुरा गांव में बीती रात एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। वह परिवार से अलग अपने लिव इन पार्टनर के साथ रह रही थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। इसके बाद पुलिस परिजन के बयान दर्ज करेगी। पुलिस के अनुसार तान्या सूर्यवंशी पिता लाल साहब सूर्यवंशी (19) दालमील, लहारपुर रोड, बरखेड़ा पठानी में रहती थी। कुछ समय से वह मोहल्ले में रहने वाले एक युवक के साथ शाहपुरा छावनी में लिव इन रिलेशन में रह रही थी। कल रात में युवक बरखेड़ा पठानी अपने घर आया था। उसने रात में तान्या को कॉल किया, लेकिन बार बार कॉल करने पर भी तान्या ने कॉल रिसीव नहीं किया। वह उसे देखने शाहपुरा छावनी धर्मपाल के किराए के मकान में देखने पहुंचा तो पता चला कि उसने फांसी लगा ली है। पुलिस ने बताया कि तान्या और युवक प्राइवेट काम करते थे। उन्होंने शादी नहीं की थी। वे लिव इन रिलेशन में रह रहे थे।

## शारीरिक दक्षता परीक्षा के बाद प्रतिभागी की अस्पताल में मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ग्राउंड पर कल सुबह शारीरिक परीक्षा देने के बाद एक प्रतिभागी की तबीयत बिगड़ गई। उसे कस्तूरबा अस्पताल ले जाया गया, वहां से भाई उसे सागर मल्टी स्पेष्लिटी अस्पताल लेकर पहुंचा?था, वहां इलाज के दौरान प्रतिभागी की मौत हो गई। गोविंदपुरा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार सुनील गुर्जर पिता हरिचरण गुर्जर (24) गांव बोड़दा, तहसील चाचौड़ा, जिला गुना का रहने वाला था। शनिवार सुबह वह सीआईएसएफ ग्राउंड पहुंचा था। सीआईएसएफ ग्राउंड में जनरल ड्यूटी (जीडी) का शारीरिक दक्षता टेस्ट चल रहा है। उसने शारीरिक दक्षता टेस्ट दिया। दौड़ लगाने के बाद वह ग्राउंड में बैठा था। तभी उसे घबराहट के साथ चक्कर आने लगे। शारीरिक दक्षता परीक्षा में मौजूद स्टाफ उसे तत्काल इलाज के लिए कस्तूरबा अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां सुनील का भाई राहुल गुर्जर भी मौजूद?था। राहुल अपने भाई सुनील को इलाज के लिए सागर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान शनिवार शाम सुनील की मौत हो गई।

# मुसाफिरों के लाखों रुपए कीमत के मोबाइल चोरी, जेवरात व सामान भरा महिला का बैग उड़ाया

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अलग-अलग ट्रेनों में सफर के दौरान आधा दर्जन से ज्यादा यात्रियों के लाखों रुपये कीमत के मोबाइल फोन चोरी हो गए। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जिला बांदा उत्तर प्रदेश निवासी संदीप कुमार पिछले दिनों एपी एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में झांसी से भोपाल की यात्रा कर रहा था। इस दौरान उसका चार्जिंग पाइंट पर लगा 15 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो गया। इधर पिपलानी भोपाल में रहने वाला सूरज रजक केरला एक्सप्रेस के जनरल कोच में मथुरा से भोपाल की यात्रा कर रहा था। ट्रेन में सोते समय उसकी जेब में रखा 19 हजार का मोबाइल फोन चोरी हो गया। बुरहानपुर निवासी दिनेश माठे अपने काम से भोपाल आया था। वापस लौटने के लिए वह भोपाल स्टेशन पहुंचा। ट्रेन लेट होने के कारण प्लेटफार्म क्रमांक एक पर सोते समय उसकी जेब में रखा 18 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो गया।

इसी प्रकार गंजबासौदा जिला विदिशा निवासी गिरजेश चौधरी गंजबासौदा जाने के लिए भोपाल स्टेशन पहुंचा था। प्लेटफार्म क्रमांक 6 पर सोते समय किसी ने उसके लोवर की जेब में रखे दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए। चोरी गए दोनों मोबाइलों की कीमत 25 हजार रुपये बताई गई है। सोते समय सिरहाने रखा बैग उड़ाया सागर निवासी हेमंत गुप्ता अपनी पत्नी का इलाज कराने के लिए सागर से रानी कमलापति आये थे। रात होने के कारण वह स्टेशन पर ही सो गए। उन्होंने अपना पिट्ठू बैग सिरहाने रखा था। कुछ देर बाद नींद खुली तो बैग गायब था। चोरी गए बैग में एक मोबाइल फोन, एक हजार रुपये नकद, कपड़े, अस्पताल के पर्चे और दवाइयां समेत करीब 15 हजार का सामान रखा था। इसी प्रकार ग्वालियर निवासी अंशुमन सिंह ग्वालियर जाने के लिए भोपाल स्टेशन पहुंचे थे। प्लेटफार्म क्रमांक एक पर सोते समय जेब में रखा 11 हजार का मोबाइल फोन चोरी हो गया। महिला का 80 हजार का सामान चोरी नागपुर निवासी आरती सिंह पिछले दिनों अपने परिवार के साथ अंडमान एक्सप्रेस में जम्मू से नागपुर की सफर कर रही थी। इस दौरान उन्होंने अपना लेडीज पर्स सिरहाने रखा हुआ था। भोपाल स्टेशन से ट्रेन छूटने के बाद देखा तो उनका पर्स गायब हो चुका था। चोरी गए पर्स में 75 हजार रुपये कीमत का आईफोन, एक हजार रुपए नकद, आधार कार्ड, बच्चे के गले की चांदी की चैन, कास्मेटिक समेत 80 हजार रुपये से ज्यादा का सामान रखा हुआ था।

## पांच साल की बच्ची की मौत पर ठेकेदार के खिलाफ केस

**भोपाल।** बिलखिरिया इलाके में निर्माणाधीन मकान की पहली मंजिल से गिरकर हुई पांच साल की बच्ची के मामले में पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ केस दर्ज किया है। मर्ग जांच के दौरान ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरतने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार सरमन बंसल अपनी पत्नी पूजाबाई बंसल और पांच साल की बच्ची कामिनी बंसल के साथ बिलखिरिया थाना क्षेत्र के कोकता स्थित राजधानी परिसर में एक निर्माणाधीन मकान पर काम करते थे। बंसल दंपति इसी मकान के एक कमरे में रहते भी थे। उन्हें ठेकेदार महेश ने काम पर रखा था। बीती चार अगस्त की शाम को सरमन काम खत्म करने के बाद ठेकेदार महेश के साथ हिसाब कर रहे थे, जबकि उनकी पत्नी दूसरे काम में लगी थी। इसी दौरान बच्ची कामिनी खेलते हुए मकान की पहली मंजिल पर चली गई, जहां से नीचे गिरने से उसे गंभीर चोट आई थी। परिजनों ने बच्ची को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां दो दिन बाद उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम के दौरान पाया कि जिस स्थान से बच्ची नीचे गिरी थी, वहां पर कोई रैलिंग नहीं थी और ठेकेदार महेश ने सुरक्षा के कोई प्रबंध नहीं किए थे। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था होती तो बच्ची हादसे का शिकार नहीं होती। इस आधार पर पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर लिया है।

## युवक से बाइक व मोबाइल छीनकर भागे लुटेरों को पुलिस ने दबोचा

**भोपाल।** गौतम नगर पुलिस ने छात्र से होंडा साइन बाइक और मोबाइल झपटकर ले जाने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने एक धारदार छुरी बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में भी कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार 25 जुलाई को फरियादी मौजीलाल यादव पिता साहब लाल यादव (32) गांव चिखली रैयत, थाना बिजादेही जिला बैतूल, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है और किराए के कमरे में शहंशाह गार्डन थाना अशोका गार्डन में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 24 जुलाई की रात उसकी होंडा शाइन बाइक और सैमसंग कंपनी का मोबाइल अज्ञात आरोपी द्वारा गौतम नगर थाना क्षेत्र में झपट लिया था।

पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज कर बदमाश की तलाश की। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने हासिल उर्फ हस्सु साहू पिता स्व.संजय साहू (19) पानी की टंकी के पास विश्वकर्मा नगर, निशातपुरा भोपाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने वारदात करना स्वीकार लिया। आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी जुनेद व शमीम के साथ मिलकर मोबाइल व गाड़ी लूटी थी।

**मेट्रो एंकर** | क्रेशर संचालक की शिकायत पर अमानत में खयानत का मामला

# क्रेशर बेचने के 28 साल बाद भी नहीं कराई रजिस्ट्री, केस दर्ज

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

**रातीबड़ पुलिस ने राजधानी के क्रेशर संचालक की शिकायत पर मेरठ के एक शख्स के खिलाफ अमानत में खयानत की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।**

आरोपी ने साल 1997 में बेरखेड़ी गांव स्थित अपना तीन एकड़ जमीन का क्रेशर फरियादी को बेचा था। लेकिन 28 साल गुजरने के बाद भी आरोपी ने रजिस्ट्री नहीं कराई जबकि उस समय विक्रय अनुबंध पत्र बनाकर अग्रिम राशि के रूप में एक लाख रुपए ले लिए थे। इसके बाद भी आरोपी 8 लाख रुपए वसूल कर चुका है। अब उसका कहना है कि जमीन के आज

के मूल्य के हिसाब से पैसा मिलने पर ही रजिस्ट्री करेगा।

पुलिस के मुताबिक ईदगाह हिल्स निवासी प्रकाश माधवानी (57) क्रेशर संचालक हैं। साल 1997 में मेरठ के संजीव शर्मा ने उन्हें बेरखेड़ी स्थित अपना तीन एकड़ भूमि का क्रेशर बेचा था। विक्रय अनुबंध तैयार करते समय प्रकाश माधवानी ने उन्हें अग्रिम राशि के रूप में एक लाख रुपए दे दिए थे। तय हुआ था कि कुछ दिन बाद पूरी रकम की अदायगी के बाद रजिस्ट्री कर दी जाएगी। लेकिन कुछ दिन बाद ही संजीव शर्मा मेरठ चला गया। उसने पावर ऑफ अटार्नी नंदा नामक व्यक्ति के नाम कर दी थी। एसआई गब्बर सिंह ने बताया कि थोड़े-थोड़े करके नंदा ने प्रकाश माधवानी से चार लाख 35 हजार रुपए वसूल लिए। उसके कुछ दिन बाद संजीव शर्मा ने फरियादी से बात करते हुए कहा कि अब आप दो लाख रुपए दोगे, तो ही रजिस्ट्री करा पाऊंगा। फरियादी ने उन्हें दो लाख रुपए और दे दिए। लगभग 8 लाख रुपए देने के बाद भी आरोपी क्रेशर की रजिस्ट्री फरियादी के नाम नहीं कर रहा है। पता चला है कि वह अब जमीन के वर्तमान मूल्य के हिसाब से पैसों की मांग कर रहा है।

## परवेज खान का निधन

**भोपाल।** राजधानी के कंजेभाई टेंट हाउस वाले परवेज़ खान का आज सुबह निधन हो गया। वे

लगभग पैंसठ वर्ष के थे और काफी समय से किडनी संबंधी परेशानियों से जूझ रहे थे। आज दोपहर कोहेफ़िज़ा स्थित उनके घर से अंतिम यात्रा निकल रही है। उनकी जनाजे की नमाज़ ताजउल मस्जिद कंपाउंड में अदा की जाएगी तथा शाम को अशोका होटल के पीछे वाले क़ब्रिस्तान में उन्हें दफनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कंजेभाई के नाम से मशहूर इस प्रतिष्ठित परिवार का राजधानी में छह दशकों से टेंट का कारोबार है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022